

ಕಾಯಕವೇ ಕೈಲಾಸ

# ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ

ಸಂಕ್ರಾಂತಿ ಹಬ್ಬದ  
ಶುಭಾಶಯಗಳು

ಸಂಪುಟ : ೫೬

ಜನವರಿ ೨೦೨೦

ಸಂಚಿಕೆ : ೦೧



ಪ್ರಧಾನಮಂತ್ರಿ ಶ್ರೀ ನರೇಂದ್ರ ಮೋದಿ ಅವರಿಗೆ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಲಿಂಗ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರು ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಶಿವಕುಮಾರ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರ ಬೆಳ್ಳಿಪುತ್ಥಳಿಯನ್ನು ನೀಡಿ ಶಾಲು ಹೊದಿಸಿ, ಗಂಧದ ಹಾರಹಾಕಿ ಸನ್ಮಾನಿಸಿ ಆಶೀರ್ವದಿಸಿದರು. ಈ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಮುಖ್ಯಮಂತ್ರಿಗಳಾದ ಶ್ರೀ ಬಿ.ಎಸ್. ಯಡಿಯೂರಪ್ಪನವರು, ಸಚಿವರಾದ ಶ್ರೀ ವಿ. ಸೋಮಣ್ಣನವರು ಉಪಸ್ಥಿತರಿದ್ದರು.



ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಶಿವಕುಮಾರ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರ ಸ್ಮಾರಕ ವಸ್ತು ಸಂಗ್ರಹಾಲಯಕ್ಕೆ ಪ್ರಧಾನಮಂತ್ರಿಗಳು ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಲಿಂಗ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರ ಸಾನ್ನಿಧ್ಯದಲ್ಲಿ ಶಂಖುಸ್ಥಾಪನೆ ನೆರವೇರಿಸಿದರು.



ಪೇಜಾವರ ಮಠದ ಪೂಜ್ಯ  
ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ವಿಶ್ವೇಶತೀರ್ಥ ಶ್ರೀಪಾದರು  
(೧೯೩೧-೨೦೧೯)



| ಜನವರಿ 2020                  |    |    |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |
|-----------------------------|----|----|----|----|----|----|--|--|--|--|--|--|
| ಭಾ ಸೋ ಮಂ ಬುಧ ಗುರು ಶುಕ್ರ ಶನಿ |    |    |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |
|                             | 1  | 2  | 3  | 4  |    |    |  |  |  |  |  |  |
| 5                           | 6  | 7  | 8  | 9  | 10 | 11 |  |  |  |  |  |  |
| 12                          | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 |  |  |  |  |  |  |
| 19                          | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 |  |  |  |  |  |  |
| 26                          | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 |    |  |  |  |  |  |  |

| ಫೆಬ್ರವರಿ 2020               |    |    |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |
|-----------------------------|----|----|----|----|----|----|--|--|--|--|--|--|
| ಭಾ ಸೋ ಮಂ ಬುಧ ಗುರು ಶುಕ್ರ ಶನಿ |    |    |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |
|                             |    |    |    |    |    | 1  |  |  |  |  |  |  |
| 2                           | 3  | 4  | 5  | 6  | 7  | 8  |  |  |  |  |  |  |
| 9                           | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 |  |  |  |  |  |  |
| 16                          | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 |  |  |  |  |  |  |
| 23                          | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 |  |  |  |  |  |  |

| ಮಾರ್ಚ್ 2020                 |    |    |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |
|-----------------------------|----|----|----|----|----|----|--|--|--|--|--|--|
| ಭಾ ಸೋ ಮಂ ಬುಧ ಗುರು ಶುಕ್ರ ಶನಿ |    |    |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |
| 1                           | 2  | 3  | 4  | 5  | 6  | 7  |  |  |  |  |  |  |
| 8                           | 9  | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 |  |  |  |  |  |  |
| 15                          | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 |  |  |  |  |  |  |
| 22                          | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 |  |  |  |  |  |  |
| 29                          | 30 | 31 |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |

| ಏಪ್ರಿಲ್ 2020                |    |    |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |
|-----------------------------|----|----|----|----|----|----|--|--|--|--|--|--|
| ಭಾ ಸೋ ಮಂ ಬುಧ ಗುರು ಶುಕ್ರ ಶನಿ |    |    |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |
|                             | 1  | 2  | 3  | 4  |    |    |  |  |  |  |  |  |
| 5                           | 6  | 7  | 8  | 9  | 10 | 11 |  |  |  |  |  |  |
| 12                          | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 |  |  |  |  |  |  |
| 19                          | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 |  |  |  |  |  |  |
| 26                          | 27 | 28 | 29 | 30 |    |    |  |  |  |  |  |  |

| ಮೇ 2020                     |    |    |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |
|-----------------------------|----|----|----|----|----|----|--|--|--|--|--|--|
| ಭಾ ಸೋ ಮಂ ಬುಧ ಗುರು ಶುಕ್ರ ಶನಿ |    |    |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |
| 31                          |    |    |    |    | 1  | 2  |  |  |  |  |  |  |
| 3                           | 4  | 5  | 6  | 7  | 8  | 9  |  |  |  |  |  |  |
| 10                          | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 |  |  |  |  |  |  |
| 17                          | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 |  |  |  |  |  |  |
| 24                          | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |  |  |  |  |  |  |



| 2020ನೇ ವರ್ಷದ ಸರ್ಕಾರಿ ರಜಾ ದಿನಗಳು |    |      |                  |            |    |      |                 |            |    |      |                  |          |    |    |                 |
|---------------------------------|----|------|------------------|------------|----|------|-----------------|------------|----|------|------------------|----------|----|----|-----------------|
| ಜನವರಿ                           | 15 | ಬು   | ಮಹರ ಸಂಕ್ರಾಂತಿ    | ಸೆಪ್ಟೆಂಬರ್ | 17 | ಗು   | ಮಹಾಲಯ ಆಮಾವಾಸ್ಯೆ | ಫೆಬ್ರವರಿ   | 2  | ಶು   | ಗಾಂಧಿ ಜಯಂತಿ      | ಫೆಬ್ರವರಿ | 26 | ಸೋ | ವಿಜಯದಶಮಿ        |
| ಫೆಬ್ರವರಿ                        | 26 | ಭಾನು | ಗುರಾಚ್ಯಾಕ್ಷರ     | ಮಾರ್ಚ್     | 25 | ಭಾನು | ಆಮಾವಾಸ್ಯೆ       | ಮಾರ್ಚ್     | 25 | ಭಾನು | ಚಾಂದ್ರಮಾನ ಯುಗಾದಿ | ಏಪ್ರಿಲ್  | 1  | ಶು | ಮಹಾನವಮಿ         |
| ಮಾರ್ಚ್                          | 25 | ಭಾನು | ಚಾಂದ್ರಮಾನ ಯುಗಾದಿ | ಏಪ್ರಿಲ್    | 1  | ಶು   | ಮಹಾನವಮಿ         | ಏಪ್ರಿಲ್    | 1  | ಶು   | ಕಾರ್ತಿಕ ದೀಪಾವಳಿ  | ಮೇ       | 1  | ಶು | ಕಾರ್ತಿಕ ದೀಪಾವಳಿ |
| ಏಪ್ರಿಲ್                         | 1  | ಶು   | ಕಾರ್ತಿಕ ದೀಪಾವಳಿ  | ಮೇ         | 1  | ಶು   | ಕಾರ್ತಿಕ ದೀಪಾವಳಿ | ಜೂನ್       | 1  | ಶು   | ಜಯಂತಿ            | ಜೂನ್     | 1  | ಶು | ಜಯಂತಿ           |
| ಜೂನ್                            | 1  | ಶು   | ಜಯಂತಿ            | ಜುಲೈ       | 1  | ಶು   | ಸುತನಾ           | ಜುಲೈ       | 1  | ಶು   | ಸುತನಾ            | ಆಗಸ್ಟ್   | 1  | ಶು | ಸುತನಾ           |
| ಆಗಸ್ಟ್                          | 1  | ಶು   | ಸುತನಾ            | ಸೆಪ್ಟೆಂಬರ್ | 1  | ಶು   | ಸುತನಾ           | ಸೆಪ್ಟೆಂಬರ್ | 1  | ಶು   | ಸುತನಾ            | ಅಕ್ಟೋಬರ್ | 1  | ಶು | ಸುತನಾ           |
| ಸೆಪ್ಟೆಂಬರ್                      | 1  | ಶು   | ಸುತನಾ            | ಅಕ್ಟೋಬರ್   | 1  | ಶು   | ಸುತನಾ           | ಅಕ್ಟೋಬರ್   | 1  | ಶು   | ಸುತನಾ            | ನವೆಂಬರ್  | 1  | ಶು | ಸುತನಾ           |
| ನವೆಂಬರ್                         | 1  | ಶು   | ಸುತನಾ            | ಡಿಸೆಂಬರ್   | 1  | ಶು   | ಸುತನಾ           | ಡಿಸೆಂಬರ್   | 1  | ಶು   | ಸುತನಾ            |          |    |    |                 |
| ಡಿಸೆಂಬರ್                        | 1  | ಶು   | ಸುತನಾ            |            |    |      |                 |            |    |      |                  |          |    |    |                 |

| ಜೂನ್ 2020                   |    |    |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |
|-----------------------------|----|----|----|----|----|----|--|--|--|--|--|--|
| ಭಾ ಸೋ ಮಂ ಬುಧ ಗುರು ಶುಕ್ರ ಶನಿ |    |    |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |
|                             | 1  | 2  | 3  | 4  | 5  | 6  |  |  |  |  |  |  |
| 7                           | 8  | 9  | 10 | 11 | 12 | 13 |  |  |  |  |  |  |
| 14                          | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 |  |  |  |  |  |  |
| 21                          | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 |  |  |  |  |  |  |
| 28                          | 29 | 30 |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |

| ಜುಲೈ 2020                   |    |    |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |
|-----------------------------|----|----|----|----|----|----|--|--|--|--|--|--|
| ಭಾ ಸೋ ಮಂ ಬುಧ ಗುರು ಶುಕ್ರ ಶನಿ |    |    |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |
|                             |    |    |    |    |    | 1  |  |  |  |  |  |  |
| 5                           | 6  | 7  | 8  | 9  | 10 | 11 |  |  |  |  |  |  |
| 12                          | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 |  |  |  |  |  |  |
| 19                          | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 |  |  |  |  |  |  |
| 26                          | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 |    |  |  |  |  |  |  |

| ಆಗಸ್ಟ್ 2020                 |    |    |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |
|-----------------------------|----|----|----|----|----|----|--|--|--|--|--|--|
| ಭಾ ಸೋ ಮಂ ಬುಧ ಗುರು ಶುಕ್ರ ಶನಿ |    |    |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |
| 30                          | 31 |    |    |    |    | 1  |  |  |  |  |  |  |
| 2                           | 3  | 4  | 5  | 6  | 7  | 8  |  |  |  |  |  |  |
| 9                           | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 |  |  |  |  |  |  |
| 16                          | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 |  |  |  |  |  |  |
| 23                          | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 |  |  |  |  |  |  |

| ಸೆಪ್ಟೆಂಬರ್ 2020             |    |    |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |
|-----------------------------|----|----|----|----|----|----|--|--|--|--|--|--|
| ಭಾ ಸೋ ಮಂ ಬುಧ ಗುರು ಶುಕ್ರ ಶನಿ |    |    |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |
|                             |    |    |    |    |    | 1  |  |  |  |  |  |  |
| 6                           | 7  | 8  | 9  | 10 | 11 | 12 |  |  |  |  |  |  |
| 13                          | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 |  |  |  |  |  |  |
| 20                          | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 |  |  |  |  |  |  |
| 27                          | 28 | 29 | 30 |    |    |    |  |  |  |  |  |  |

| ಅಕ್ಟೋಬರ್ 2020               |    |    |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |
|-----------------------------|----|----|----|----|----|----|--|--|--|--|--|--|
| ಭಾ ಸೋ ಮಂ ಬುಧ ಗುರು ಶುಕ್ರ ಶನಿ |    |    |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |
|                             |    |    |    |    |    | 1  |  |  |  |  |  |  |
| 4                           | 5  | 6  | 7  | 8  | 9  | 10 |  |  |  |  |  |  |
| 11                          | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 |  |  |  |  |  |  |
| 18                          | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 |  |  |  |  |  |  |
| 25                          | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 |  |  |  |  |  |  |

| ನವೆಂಬರ್ 2020                |    |    |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |
|-----------------------------|----|----|----|----|----|----|--|--|--|--|--|--|
| ಭಾ ಸೋ ಮಂ ಬುಧ ಗುರು ಶುಕ್ರ ಶನಿ |    |    |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |
| 1                           | 2  | 3  | 4  | 5  | 6  | 7  |  |  |  |  |  |  |
| 8                           | 9  | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 |  |  |  |  |  |  |
| 15                          | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 |  |  |  |  |  |  |
| 22                          | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 |  |  |  |  |  |  |
| 29                          | 30 |    |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |

| ಡಿಸೆಂಬರ್ 2020               |    |    |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |
|-----------------------------|----|----|----|----|----|----|--|--|--|--|--|--|
| ಭಾ ಸೋ ಮಂ ಬುಧ ಗುರು ಶುಕ್ರ ಶನಿ |    |    |    |    |    |    |  |  |  |  |  |  |
|                             |    |    |    |    |    | 1  |  |  |  |  |  |  |
| 6                           | 7  | 8  | 9  | 10 | 11 | 12 |  |  |  |  |  |  |
| 13                          | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 |  |  |  |  |  |  |
| 20                          | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 |  |  |  |  |  |  |
| 27                          | 28 | 29 | 30 | 31 |    |    |  |  |  |  |  |  |

**ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ-ಜನವರಿ ೨೦೨೦ /೧**

**ಅಂತರಂಗ**

|| ಓಂ ಶ್ರೀ ಗುರುಬಸವಲಿಂಗಾಯ ನಮಃ ||

ಆವಾಹ ಕಾಯಕವ ಮಾಡಿದರು ಬಸವೇಶ  
ಆವಗಂ ಶರಣರನು ಸೇವಿವನು ಬಸವೇಶ

**ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ**

ಸಂಪುಟ : ೫೬ ಜನವರಿ ೨೦೨೦ ಸಂಚಿಕೆ : ೦೧

**ಹಿಳವುಟಗಲಿ**

- ಸಂಪಾದಕೀಯ
- ಶ್ರೀವಾಣಿ
- ಸಿದ್ಧಲಿಂಗೇಶ್ವರ ವಚನ - ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಗುರುಕುಣ ತ್ರಿವಿಧಿ
- ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಡಾ. ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಶಿವಕುಮಾರ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರ ಪ್ರಥಮ ಮಣ್ಯಸಂಸ್ಕರಣೋತ್ಸವ - ಪತ್ರಿಕಾ ಪ್ರಕಟಣೆ
- ಕಾವ್ಯನಮನ
- ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಮಠಕ್ಕೆ ಪ್ರಧಾನಮಂತ್ರಿ ಶ್ರೀ ನರೇಂದ್ರ ಮೋದಿ ಭೇಟಿ ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಡಾ. ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಶಿವಕುಮಾರ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರ ಗದ್ದುಗೆಗೆ ವಿಶೇಷಮೂರ್ತಿ
- ಸಿದ್ಧಗಂಗೆಯ ಸಿದ್ಧಪುರುಷ - ಬಿ.ವಿ. ಮಲ್ಲಾಪುರ
- ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಕನ್ನಡ ಸಾಹಿತ್ಯ ಸಮ್ಮೇಳನದ ಸರ್ವಾಧ್ಯಕ್ಷರಾಗಿ ಡಾ. ಎಚ್.ಎಸ್. ವೆಂಕಟೇಶಮೂರ್ತಿ ಅವರು ಆಯ್ಕೆ
- ಬೃಂದಾವನದಲ್ಲಿ ಲೀನರಾದ ವಿಶ್ವಸಂತ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ವಿಶ್ವೇಶತೀರ್ಥ ಶ್ರೀಪಾದರು - ಎಚ್.ಎಸ್. ಸಿದ್ಧಗಂಗಪ್ಪ
- ಕರ್ಮಸುಜ್ಞಾನ ಶಿವಯೋಗಿ ಶಾಸನೋಕ್ತ ಪರಮಾರಾಧ್ಯ ಸಿದ್ಧರಾಮ - ಡಾ. ಎಂ.ಜಿ. ನಾಗರಾಜ್
- ಶರಣ ಕಾಯಕವೇ ಜೀವನ ಮೌಲ್ಯ - ಡಾ. ಆರ್.ಬಿ. ಚಲುವಿ
- ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಹಳೆಯ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳ ಹಾಗೂ ಹಿತ್ಯುಷಿಗಳ ಸಂಘದ ಸರ್ವಸದಸ್ಯರ ಓಗಿನೇ ಮಹಾದೀಪನದ ವರದಿ
- ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಗುರುಕುಲ ಡೆವಲಪ್‌ಮೆಂಟ್ ಟ್ರಸ್ಟಿಗೆ ದೇಣಿಗೆ ನೀಡಿದ ದಾನಿಗಳು
- ಜಾಹಿರಾತು

**ಚಂದಾ ವಿವರ :**

ಆಜೀವ ಸದಸ್ಯತ್ವ ರೂ. 1500/- ಬಿಡಿ ಪ್ರತಿ ರೂ. 20.00

email: siddaganganews@gmail.com

ಲೇಖಕರ ಅಭಿಪ್ರಾಯಗಳು ಪತ್ರಿಕೆಯ ಅಭಿಪ್ರಾಯಗಳಲ್ಲ





## ಪ್ರಧಾನ ಸಂಪಾದಕರ ನುಡಿ.....

ಶ್ರೀಮಠ ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಜಿಞ ಸಂಪುಟಗಳನ್ನು ದಾಟಿ ೫೬ನೆಯ ಸಂಪುಟದತ್ತ ಮುನ್ನಡೆಸಿದೆ. ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಕರ್ನಾಟಕರತ್ನ ಪದ್ಮಭೂಷಣ, ನಡೆದಾಡುವದೇವರು ಡಾ|| ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಶಿವಕುಮಾರ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರ ದಿವ್ಯ ಮಾರ್ಗದರ್ಶನ ಮತ್ತು ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಲಿಂಗ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳ ಆಶೀರ್ವಾದದಿಂದ ತನ್ನ ಸೇವಾಪಥಗಾಮಿಯಾಗಿದೆ.

ದಿನಾಂಕ ೨೯-೧೨-೨೦೧೯ರ ಭಾನುವಾರದಿಂದ ಶ್ರೀಮಠದ ಶಿವಲಿಂಗಮುಷ್ಠವಾಗಿದ್ದ ಪಂಡಿತ ಚೆನ್ನಪ್ಪ ಎರೇಸೀಮೆಯವರ ಜನ್ಮಶತಮಾನೋತ್ಸವ ಆಯೋಜಿತವಾಗಿತ್ತು. ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಲಿಂಗ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರು ಸಾನ್ನಿಧ್ಯ ನೀಡಿದ್ದರು. ಸಮಾರಂಭವನ್ನು ಉದ್ಘಾಟಿಸಿದ ಪ್ರೊ. ಜಿ.ಎಸ್. ಸಿದ್ಧಲಿಂಗಯ್ಯನವರು - ಎರೇಸೀಮೆಯವರನ್ನು ಕುರಿತು ಮಾತನಾಡುತ್ತ 'ಬಡವನ ಸಿರಿತನ ಕಡೆತನಕ ಉಳಿದಾನೇನ' ಎನ್ನುತ್ತ ಬಡತನದಲ್ಲಿ ಬೆಳೆದು ಬಂದ ಶ್ರೀ ಎರೇಸೀಮೆಯವರು ನಡೆದಾಡುವ ದೇವರಲ್ಲಿ ಪ್ರೀತಿಯನ್ನಿಟ್ಟುಕೊಂಡವರು ೬೦ ವರ್ಷಗಳ ಬಾಂಧವ್ಯ ಶ್ರೀಮಠದ ಸೇವಾಸಂಪಿಗೆಯಾಗಿದ್ದರು ಎಂದರು. ಶ್ರೀ ಹೀ.ಚಿ. ಚೆನ್ನಪ್ಪ ಎರೇಸೀಮೆ ಎಂದರು. ಡಾ. ಗೊ.ರು. ಚೆನ್ನಬಸಪ್ಪನವರು ಮಾತನಾಡುತ್ತಾ ಎರೇಸೀಮೆಯವರ ಆತ್ಮಕಥೆಯಲ್ಲಿ ಅಹಂಕಾರ ಮುಕಾರ ಮುಕ್ತತೆಯಿದೆ. ಮಗು ಮುಗ್ಧತೆಯ ಆಶಾವಾದಿ ಹಾಸ್ಯದ ಕಾರಂಜಿ ಹಳ್ಳಿಯ ಮಾಸ್ತರ, ಬೀಡಿ ಎಲೇ ಅಡಿಕೆಯ ಚೆಂದ, ಶಿವಚರಣಮುಷ್ಠ ಪ್ರವಚನ ಪಟು ಶ್ರೀ ಎರೇಸೀಮೆ ಎಂದರು.

ಡಾ|| ಎಂ.ಎನ್. ಚೆನ್ನಬಸಪ್ಪನವರು, ನಾನು ಮತ್ತು ಎರೇಸೀಮೆಯವರು ೧೯೪೧ರಲ್ಲಿ ಶ್ರೀಮಠಕ್ಕೆ ಬಂದವರು. ಶ್ರೀಗಳವರ ಆಶೀರ್ವಾದದಿಂದ ಬೆಳೆದು ಬಂದವರು ಎಂದರು. ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಲಿಂಗ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಯವರು ಶ್ರೀಮಠಕ್ಕೆ ಶುದ್ಧ, ಪರಿಶುದ್ಧಬಾಳ್ವೆ, ಅವರು ಸಂಪಾದಿಸಿದ ಅಭಿನಂದನಾ ಗ್ರಂಥ 'ಸಿದ್ಧಗಂಗಾಶ್ರೀ' ಮರುಮುದ್ರಣ ಮಾಡಿಸಲಾಗುತ್ತದೆ. ಎಂದರು. ಶ್ರೀ ಮಲ್ಲೇಪುರಂ ಜಿ. ವೆಂಕಟೇಶ್, ಶ್ರೀ ಎಚ್.ಎಸ್. ಸಿದ್ಧಗಂಗಪ್ಪ, ಡಾ|| ಬಿ. ನಂಜುಂಡಸ್ವಾಮಿ, ಪಂಡಿತರಂದರೆ ಜ್ಞಾನಿ ಪ್ರೊ. ಸಿ.ಕೆ. ಜಗದೀಶ್, ಶ್ರೀ ಟಿ.ಕೆ. ನಂಜುಂಡಪ್ಪ, ಡಾ. ಸಿ. ಸೋಮಶೇಖರ್, ಶ್ರೀ ಎಸ್. ಪ್ರೊ.ಫಿನ್‌ದಾಸ್ ವಿವಿಧ ಗೋಷ್ಠಿಗಳಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಎಂ. ಈಶ್ವರಪ್ಪ ಉಪಸ್ಥಿತರಿದ್ದರು. ನಿರೂಪಣೆಯನ್ನು ಶ್ರೀಮತಿ ಲೋಕೇಶ್ವರಿಪ್ರಭು, ಶ್ರೀ ಪಿ.ಆರ್. ಸೋಮಶೇಖರ್, ಶ್ರೀ ಎಂ.ಜಿ. ಸಿದ್ಧರಾಮಯ್ಯ, ಶ್ರೀ ಕೋ.ರಂ. ಬಸವರಾಜು ವಂದನಾರ್ಪಣೆಯನ್ನು ಶ್ರೀಮತಿ ವಸಂತಮ್ಮ ಮಾಡಿದರು.

ಬೃಂದಾವನಸ್ಥರಾದ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಪೇಜಾವರದ ವಿಶ್ವೇಶ್ವರ ತೀರ್ಥ ಶ್ರೀಗಳವರಿಗೆ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಲಿಂಗ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರು ಸಾಮಾಜಿಕ ಹಾಗೂ ಧಾರ್ಮಿಕ ಸೇವೆ ಅಪಾರವಾದುದು. ಚಿಕ್ಕ ವಯಸ್ಸಿನಲ್ಲಿಯೇ ಸನ್ಯಾಸ ಸ್ವೀಕರಿಸಿ ಕರ್ನಾಟಕ ಮಾತ್ರವಲ್ಲದೆ, ರಾಷ್ಟ್ರದ ಉದ್ದಗಲಕ್ಕೂ ಧಾರ್ಮಿಕ ಕಾರ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ಸಂಚರಿಸಿ ಬಂದವರು. ಈ ದೇಶಕ್ಕೆ ಅವರ ಸೇವೆ ಸ್ಮರಣೀಯವಾದುದು. ಉಡುಪಿಯಲ್ಲಿ ಶ್ರೀಗಳವರೊಂದಿಗೆ ಅಪಾರ ಗೌರವ ಹಾಗೂ ಬಾಂಧವ್ಯವನ್ನು ಹೊಂದಿದ್ದರು. ಇಂತಹ ಶ್ರೀಗಳು ಎಲ್ಲರ ಹೃದಯದಲ್ಲಿ ವಿರಾಜಮಾನರಾಗಿದ್ದಾರೆ" ಎಂದರು.

\*\*\*

ಶ್ರೀಮಠ ಮುಖವಾಣಿಯಾದ 'ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ' ಮಾಸಪತ್ರಿಕೆ ಪತ್ರಿಕೆಯ ಸದಸ್ಯರಿಗೆ, ಪೋಷಕರಿಗೆ, ಮಹಾಪೋಷಕರಿಗೆ, ಜಾಹಿರಾತುದಾರರಿಗೆ, ಹಳೆಯ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳ ಹಾಗೂ ಹಿತ್ತೈಸಿಗಳ ಸಂಘಕ್ಕೆ, ಮುದ್ರಣಾಲಯದ ಬಂಧುಗಳಿಗೆ, ಪತ್ರಿಕೆಯ ಸಂಪಾದಕರಿಗೆ, ಪ್ರಕಾಶಕರಿಗೆ, ಪತ್ರಿಕಾ ನಿರ್ವಹಣಾ ಸಮಿತಿಯವರಿಗೆ, ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಹೊಸವರ್ಷ ೨೦೨೦ರ ಶುಭಾಶಯ ಕೋರುತ್ತದೆ.

ಪ್ರೊ. ಹೆಚ್.ವಿ. ವೀರಭದ್ರಯ್ಯ  
ಪ್ರಧಾನ ಸಂಪಾದಕರು



## ಶ್ರೀವಾಣಿ

ಶಿಕ್ಷಣದಿಂದ ಮನುಷ್ಯ ಸುಸಂಸ್ಕೃತನಾಗುತ್ತಾನೆ. ಮೃಗೀಯ ಭಾವನೆಗಳಿಂದ ಮುಕ್ತನಾಗುತ್ತಾನೆ. ರಾಕ್ಷಸ ಪ್ರವೃತ್ತಿಯಿಂದ ದೂರವಾಗುತ್ತಾನೆ. ಸಂಘಜೀವಿಯಾಗಿ ಸಮಾಜಪ್ರೇಮಿಯಾಗಿ, ಜೀವನಶ್ರದ್ಧೆಯನ್ನು ಬೆಳೆಸಿಕೊಳ್ಳುವನಾಗುತ್ತಾನೆ. ಕಲ್ಲು ಕಲೆಯಾಗುವಂತೆ, ಸೊಲ್ಲು ಶಿವನಾಗುವಂತೆ, ಕರ್ಕಶತೆ ಮಧುರತೆಯತ್ತ ನಡೆಯುವಂತೆ, ಕತ್ತಲಿಗಿಂದ ಬೆಳಕಿನ ಕಡೆಗೆ 'ತಮಸೋಮ ಜ್ಯೋತಿರ್ಗಮಯ' ಎನ್ನುವಂತೆ ನಡೆಯುವವನಾಗುತ್ತಾನೆ. 'ಮೃತ್ಯೋರ್ಮ ಅಮೃತಮಯ' ನಾಗುವಂತೆ ಎಲ್ಲ ಆಭರಣಗಳಿಗಿಂತ ಅಲ್ಲಮಪ್ರಭುಗಳು ಹೇಳುವಂತೆ 'ಭೂಮಿ ನಿನ್ನದಲ್ಲ, ಹೇಮ ನಿನ್ನದಲ್ಲ, ಕಾಮಿನಿ ನಿನ್ನದಲ್ಲ, ನಿನ್ನೊಡವೆ ಎಂಬುದು ಜ್ಞಾನರತ್ನ ಎನ್ನುವಂತೆ ಜ್ಞಾನರತ್ನ ಅಮೂಲ್ಯವೆಂದರಿತು ಮಾನವೀಯತೆಯ ಸುಂದರ ಆಭರಣವಾಗುತ್ತಾನೆ.

ಶಿಕ್ಷಣ ಸಂಸ್ಥೆಗಳು ಜ್ಞಾನದೇಗುಲಗಳು. ಪವಿತ್ರಮಂದಿರಗಳು. ಪರಿಶುದ್ಧ ಶಿಲಸದನಗಳು, ನ್ಯಾಯ ಕಮ್ಮಟಗಳು. ಜೀವನದ ಸಾರ್ಥಕತೆಯನ್ನು ತಿಳಿಸಿಕೊಡುವ ಅರಿವಿನಾಗರಗಳು. ಮೇಲೇರಿ ನಡೆಯುವ ಪಾವಟಿಗೆಗಳು. ಶಿಕ್ಷಣವನ್ನು ಮಾರಾಟದ ಸರಕನ್ನಾಗಿಸಿಬಾರದು. ಆ ಪ್ರವೃತ್ತಿ ಒಳ್ಳೆಯದಲ್ಲ. ಸೇವೆಯ ಸಾಧನ ಕ್ಷೇತ್ರವನ್ನಾಗಿಸಬೇಕು. ಪ್ರಾಜ್ಞರು ಹೇಳುವಂತೆ ಶಿಕ್ಷಣಕ್ಷೇತ್ರಗಳು ಚಂಚಲ ಮನಸ್ಸನ್ನು ಒಂದೆಡೆಗೆ ತಂದು ನಿಲ್ಲಿಸುವ, ಅಧೋಮುಖಿಯಾಗದಂತೆ ಸನ್ಮಾರ್ಗಗಾಮಿಯಾಗಿ ಮುನ್ನಡೆದು ಹುಟ್ಟಿದ ಮನೆಗೆ, ಊರಿಗೆ, ಕಲಿಸಿದ ಶಿಕ್ಷಣ ಸಂಸ್ಥೆಗೆ ಬಂಗಾರದ ಕಲಶವನ್ನಾಗಿಸುವ ಪವಿತ್ರ ದೇಗುಲಗಳು. ಹಸಿವಾದ ಹೊಟ್ಟೆಗೆ ಅನ್ನ ನೀಡಿ ತೃಪ್ತಿಗೊಳಿಸುವಂತೆ, ಹಸಿವಾದ ಮನಸ್ಸಿಗೆ ಜ್ಞಾನನೀಡಿ ತೃಪ್ತಿಗೊಳಿಸುವ ಜ್ಞಾನಸದನಗಳು.

\* \* \*

ಸಿದ್ಧಗಂಗೆಯ ಇಂದಿನ ಸೇವಾ ದಾಸೋಹ ಮಣಿಹಕ್ಕೆ 'ತವನಿಧಿ'ಯಾಗಿರುವ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಅಟವೀಸ್ವಾಮಿಗಳವರು ದೇಶಕಾಲವನ್ನು ಮೀರಿ ಬೆಳೆದು ಪ್ರಕಾಶಿಸುತ್ತಿರುವ ಜ್ಯೋತಿಸ್ವರೂಪರು. ಬಸವಣ್ಣನವರ ತತ್ವಾದರ್ಶಗಳನ್ನು ಸಾಕಾರಗೊಳಿಸುವಲ್ಲಿ 'ಉಣ್ಣದ ಲಿಂಗಕ್ಕೆ ಬೋನವ ಹಿಡಿ'ಯೆಂಬ 'ಉಂಬುವ ಜೀವಿಗೆ ನಡೆಯೆಂಬ' ಮೂಢತನವನ್ನು ಹೊಡೆದೋಡಿಸಿ, 'ಜಂಗಮಕ್ಕರೆದರೆ ಸ್ಥಾವರ ನೆನೆಯುತ್ತ' ಎಂಬುದನ್ನು ನಿತ್ಯದಲ್ಲಿ ನಿಜಾಚರಣೆ ಗೊಳಿಸಿದವರು. ಅಲ್ಲಿ ಸಲ್ಲುವುದಕ್ಕೆ ಇಲ್ಲಿ ಸಲ್ಲುವುದೇ ಆಧಾರವಾಯಿತು. ಪೂಜ್ಯರಿಗೆ ಅರಿವೇ ಗುರುವಾಯಿತು. ಆಚಾರವೇ ಶಿಷ್ಟವಾಯಿತು. ದಯವೇ ಧರ್ಮವಾಯಿತು. ಮಾಡಿ ನೀಡುವ ಹಸ್ತವೇ ಕಲ್ಯಾಣವಾಯಿತು. ನಿಂದುದೇ ನಿಜನಿವಾಸವಾಯಿತು. ಬಂದುದೇ ಪರಿಣಾಮವಾಯಿತು. ಕಾಯವೇ ಪೀಠ, ಪ್ರಾಣವೇ ಲಿಂಗವಾಯಿತು. ನಿರ್ದೈವರೆ ಜಪ, ಎದ್ದರೆ ಶಿವರಾತ್ರಿ, ನಡೆದುದೇ ಪಾವನ, ನುಡಿದುದೇ ಶಿವತತ್ತ್ವವಾಯಿತು. ದೇಹಧರಿಸಿಯೂ ನಿರ್ದೇಹಿಗಳಾಗಿ ಈ ಲೋಕದಲ್ಲಿರುವಾಗಲೇ ಜೀವನ್ಮುಕ್ತರಾಗಿ ಸಮಾಜದಲ್ಲಿದ್ದು ನಿಜವನರಿದ ನಿಶ್ಚಿಂತರಾಗಿ ಮಹವನರಿದ ಮಹಂತರಾಗಿ ಬಾಳಬೆಳೆದವರು. ಶರಣರು ಮೆಟ್ಟಿದ ಧರೆ ಪಾವನ ಕ್ಷೇತ್ರವೆಂಬುದನ್ನು ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷಗೊಳಿಸಿದವರು.



## ವಚನ-ತ್ರಿವಿಧಿ

### ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಲಿಂಗೇಶ್ವರ ವಚನ



ಪಂಚಾಕ್ಷರವೆ ಪಂಚಮುಖವಾಗಿ  
ಎನ್ನ ಪಂಚೇಂದ್ರಿಯಂಗಳಾಗಿಪ್ಪವು ನೋಡಾ,  
ಪ್ರಣಮವೆ ಪ್ರಾಣಮೂರ್ತಿಯಾಗಿದ್ದೆನಯ್ಯಾ  
ಇದು ಕಾರಣ ಪರಮ ತತ್ವಜ್ಞಾನಮಯವಾಗಿ  
ಓಂ ನಮಃ ಶಿವಾಯ ಎಂಬ ಶಿವ ಷಡಕ್ಷರಿ ಮಂತ್ರವನೆ  
ಸ್ಮರಿಸಿ ಭವಸಾಗರವ ದಾಟಿ ಭಕ್ತನಾದೆನು ಕಾಣಾ  
ಮಹಾಲಿಂಗಗುರು ಶಿವಸಿದ್ಧೇಶ್ವರ ಪ್ರಭುವೇ ||

ಪಂಚಾಕ್ಷರವೆ - ಐದಕ್ಷರವೆ, ಪಂಚಮುಖವಾಗಿ - ಐದು  
ವದನವಾಗಿ, ಎನ್ನ ಪಂಚೇಂದ್ರಿಯಂಗಳಾಗಿಪ್ಪವು ನೋಡಾ -  
ಎನ್ನ ಐದಿಂದ್ರಿಯಂಗಳಾಗಿಪ್ಪವು ಕಂಡಾ, ಪ್ರಣಮವೆ -  
ಓಂಕಾರಪ್ರಣಮವೆ, ಪ್ರಾಣಮೂರ್ತಿಯಾಗಿದ್ದೆನಯ್ಯಾ - ಹರಣ  
ಕರ್ತೃವಾಗಿದ್ದೆನಯ್ಯಾ, ಇದು ಕಾರಣ - ಇದು ನಿಮಿತ್ತಾರ್ಥ,  
ಪರತತ್ವ ಜ್ಞಾನಮಯವಾಗಿ-ಮಹಾಲಿಂಗತತ್ವ ಸ್ವರೂಪವಾಗಿ,  
ಓಂ ನಮಃ ಶಿವಾಯ ಎಂಬ ಶಿವ ಷಡಕ್ಷರಿ ಮಂತ್ರವನೆ, ಸ್ಮರಿಸಿ -  
ಜಪಿಸಿ, ಭವಸಾಗರವ - ಉತ್ಪತ್ತಿವೆಂಬ ಸಮುದ್ರವನು, ದಾಟಿ -  
ಲಂಘಿಸಿ, ಭಕ್ತನಾದೆನು - ಶಿವಭಕ್ತನಾದೆನು, ಕಾಣಾ - ಕಂಡಾ,  
ಮಹಾಲಿಂಗ ಗುರುಶಿವಸಿದ್ಧೇಶ್ವರ ಪ್ರಭುವೇ.

(ಕೃಪೆ: ತೋಂಟದಾರ್ಯ ವಚನ ವ್ಯಾಖ್ಯೆ- ಸಂಪಾದಕರು- ಡಾ|| ಸಾ.ಶಿ.  
ಮರುಳಯ್ಯ ಪ್ರಕಾಶಕರು, ಶ್ರೀ ತೋಂಟದ ಸಿದ್ಧಲಿಂಗೇಶ್ವರ ಕೈಂಕರ್ಯ  
(ದಾಸೋಪ) ಸೇವಾ ಸಂಘ(ರಿ.) ಎಡೆಯೂರು- ಕುಣಿಗಲ್ ತಾಲ್ಲೂಕು,  
ತುಮಕೂರು ಜಿಲ್ಲೆ)

### ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಗುರುಕರುಣ ತ್ರಿವಿಧಿ

ಆಚಾರವೆಂಬುದು ಆಡಂಬರವಿರದಿರಲಿ  
ಅಂತರಂಗದ ರತ್ನವಾಗಿರಲಿ | ತಿಳಿಯೆಂದ  
ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಗುರುವೆ ಕೃಪೆಯಾಗು ||

ಬಸವಣ್ಣ ಸಂಸಾರದ ಶಿವಯೋಗವಾಗಿಸಿದ  
ಮರ್ತ್ಯದ ಮಣಿಹಕೆ ಬೆಳಕಾದ | ತಿಳಿಯೆಂದ  
ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಗುರುವೆ ಕೃಪೆಯಾಗು ||

ಲಿಂಗಪೂಜೆಗೆ ಹೆಣ್ಣೇನು ಗಂಡೇನು  
ಲಿಂಗಭೇದವೇಕೆ ತಿಳಿನೀನು | ತಾನೆಂದ  
ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಗುರುವೆ ಕೃಪೆಯಾಗು ||

ನೀಡುವನು ನಾನೆಂಬ ಮಾಡುವನು ನಾನೆಂಬ  
ನಾಡಾಡಿ ಮಾತು ಬರದಿರಲಿ | ತಿಳಿಯೆಂದ  
ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಗುರುವೆ ಕೃಪೆಯಾಗು ||

ದೀಪದ ಕುಡಿಯಂತೆ ಮನವು ಚಂಚಲವಯ್ಯ  
ತಾಪ ಪಡುತಿಹುದು ಒಳಗೊಳಗೆ | ತಿಳಿಯೆಂದ  
ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಗುರುವೆ ಕೃಪೆಯಾಗು ||

ಕೈಬಾಯಿ ಕಚ್ಚಿ ಶುದ್ಧವಿರಲಿ ಎಂದೆ  
ಕಂಗಳಲಿ ಕಾಮ ಬರದಿರಲಿ | ತಿಳಿಯೆಂದೆ  
ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಗುರುವೆ ಕೃಪೆಯಾಗು ||

ಚಿತ್ತ ಚಿನ್ನವ ಮಾಡು ಸತ್ಯದೊಡನೆ ನಡೆಸು  
ಉತ್ತಮ ವ್ಯಾಯಾಮದೊಳಗೊಡು | ತಿಳಿಯೆಂದೆ  
ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಗುರುವೆ ಕೃಪೆಯಾಗು ||

ಭಾವ ಬಂಜೆಯ ಹೃದಯ ನೀರಿಲ್ಲದ ಬಾವಿ ತಾ  
ದಯವಿಲ್ಲದ ಬಂಧುತಾ ಬರಿ ಶಿಲೆಯು | ತಾನೆಂದ  
ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಗುರುವೆ ಕೃಪೆಯಾಗು ||

ಕರ್ತವ್ಯ ಪ್ರಾರ್ಥನೆಯ ಸತ್ಯಸಂತಾನವು  
ಮರ್ತ್ಯರಿಗೆ ಮಂತ್ರವು ನಿಜದಿರವು | ತಾನೆಂದ  
ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಗುರುವೆ ಕೃಪೆಯಾಗು ||

ಮನೆಗೆ ಬಾಗಿಲ ತೆರೆದಿ ಮನಕೆ ಬಾಗಿಲವಿರಲಿ  
ಬೆಳಕು ಗಾಳಿಗೆ ಸದಾ ತೆರೆದಿರಲಿ | ತಾನೆಂದ  
ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಗುರುವೆ ಕೃಪೆಯಾಗು ||

ಪ್ರೊ. ಹೆಚ್.ಎ. ವೀರಭದ್ರಯ್ಯ

## ಪ್ರಕಟಣೆ

### ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಡಾ. ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಶಿವಕುಮಾರ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರ ಪ್ರಥಮ ಪುಣ್ಯಸಂಸ್ಕರಣೋತ್ಸವ



ಪದ್ಮಭೂಷಣ, ಕರ್ನಾಟಕ ರತ್ನ, ಬಸವಪ್ರಶಸ್ತಿ ಪುರಸ್ಕೃತರು,  
ತ್ರಿವಿಧಿ ದಾಸೋಹಿಗಳೆ, ಮಹಾತಪಸ್ವಿಗಳೆ, ಶ್ರೀ ಮ.ನಿ.ಪ್ರಣವಸ್ವರೂಪಿ, ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಡಾ. ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ  
ಶಿವಕುಮಾರ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರ ಪ್ರಥಮ ಪುಣ್ಯ  
ಸಂಸ್ಕರಣೋತ್ಸವವನ್ನು ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಕ್ಷೇತ್ರದಲ್ಲಿ ಜನವರಿ ೧೯,  
೨೦೨೦, ಭಾನುವಾರ ಬೆಳಿಗ್ಗೆ ೧೦.೩೦ ಗಂಟೆಗೆ  
ಆಯೋಜಿಸಲಾಗಿದ್ದು ಸಮಾರಂಭದ ದಿವ್ಯನೇತೃತ್ವವನ್ನು ಶ್ರೀ  
ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಕ್ಷೇತ್ರಾಧ್ಯಕ್ಷರಾದ ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಲಿಂಗ  
ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರು, ಅಧ್ಯಕ್ಷತೆಯನ್ನು ಶ್ರೀ ಸುತ್ತೂರು ಜಗದ್ಗುರು  
ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಶಿವರಾತ್ರಿ ದೇಶಿಕೇಂದ್ರ  
ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರು ವಹಿಸಲಿದ್ದು, ಬೇಲಿಮಠದ ಶಿವಾನುಭವ  
ಚರಮೂರ್ತಿ ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಶಿವರುದ್ರ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳು  
ಹಾಗೂ ಕನಕಪುರ ಶ್ರೀ ದೇಗುಲಮಠಾಧ್ಯಕ್ಷರಾದ ಪರಮಪೂಜ್ಯ  
ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಮುಮ್ಮಡಿ ನಿರ್ವಾಣ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರ ದಿವ್ಯ  
ಉಪಸ್ಥಿತಿಯಲ್ಲಿ ಕರ್ನಾಟಕದ ಮುಖ್ಯಮಂತ್ರಿಗಳಾದ ಸನ್ಮಾನ್ಯ ಶ್ರೀ  
ಬಿ.ಎಸ್. ಯಡಿಯೂರಪ್ಪನವರು ಉದ್ಘಾಟಿಸಲಿದ್ದಾರೆ.

ಸಮಾರಂಭದಲ್ಲಿ ದೆಹಲಿಯ ಕೈಗಾರಿಕೋದ್ಯಮಿಗಳಾದ  
ಸನ್ಮಾನ್ಯ ಮುಖೇಶ್ ಗರ್ಗ್ ಹಾಗೂ ನವದೆಹಲಿ ಉಗ್ರ  
ನಿಗ್ರಹದಳದ ಅಧ್ಯಕ್ಷರಾದ ಸನ್ಮಾನ್ಯ ಶ್ರೀ ಮಣೀಂದರ್‌ಜೀತ್ ಸಿಂಗ್  
ಬಿಟ್ಟ ಅವರನ್ನು ಸನ್ಮಾನಿಸಲಾಗುತ್ತಿದೆ.

ಈ ಪುಣ್ಯಸಂಸ್ಕರಣೋತ್ಸವ ಸಮಾರಂಭದಲ್ಲಿ ಕರ್ನಾಟಕ  
ಸರ್ಕಾರದ ಉಪ ಮುಖ್ಯಮಂತ್ರಿಗಳು, ಸಚಿವರು, ಲೋಕಸಭಾ  
ಸದಸ್ಯರು, ಶಾಸಕರು, ಜಿಲ್ಲಾ ಪಂಚಾಯತ್ ಅಧ್ಯಕ್ಷರು,  
ಮಹಾಪೌರರೂ, ಗಣ್ಯರು, ಭಕ್ತರು, ಅಭಿಮಾನಿಗಳು  
ಭಾಗವಹಿಸಲಿದ್ದಾರೆ.

ಸರ್ವರಿಗೂ ಆದರದ ಸುಸ್ವಾಗತ





## ಕಾವ್ಯನಮನ

### 'ಶತಾಯುಷಿ'ಗೆ ನಮನ

ನಡೆದಾಡುವ ದೇವರು  
ಶಿವಕುಮಾರ ಶ್ರೀಗಳು  
ಶಿವಸ್ವರೂಪಿ ಸನ್ಮಂಗಲ ಶರಣಮೂರ್ತಿ  
ಅನ್ನ ವಿದ್ಯೆಯ ನೀಡಿ  
ವಾಸ್ತವ್ಯದಾಸರೆ ಮಾಡಿ  
ಬೆಳೆವ ಕುಡಿಗಳಿಗೆ ಬೆಳಕಿತ್ತ ಮಹಾಕೀರ್ತಿ.

ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಮಠಾಧಿಪತಿ  
ಸಿದ್ಧಿ ಪುರುಷ ಮೌಲ್ವಯಿತಿ  
ಘನ ವೈರಾಗ್ಯ ನಿಧಿಯು ದೈವ ಸಂಭೂತ ತಾತ  
ಮಕ್ಕಳೊಡನೆ ಮಗುವಾಗಿ  
ಮಮತೆಯ ಮಡಿಲಾಗಿ  
ಒಡನಾಟ ಪ್ರೀತಿಯ ಪಂಕ್ತಿಯೊಟ ನಿರತ.

ಶತಮಾನದಂಚನ್ನು ದಾಟಿ  
ಮುನ್ನಡೆದ ದೀರ್ಘಾಯುಷಿ  
ಅಸಾಮಾನ್ಯ ಶಕ್ತಿಯ ನೆಲೆ ಅದಮ್ಯ ಚೇತನ  
ದಣಿವು ಬೇಸರಿಕೆ ಇಲ್ಲ  
ಮುಪ್ಪು ಮನಸಿಗೆ ಇಲ್ಲ  
ಕ್ರಿಯಾಶೀಲದ ಚಿಲುಮೆ ಅತ್ಯಮೂಲ್ಯ ಜೀವನ.

ಜಗದ ಚಿಂತಾಮಣಿಯೆ  
ಕರುನಾಡ ಭಾಗ್ಯಶ್ರೀಯೆ  
ಧರೆಯೊಳಗೆ ಜನ್ಮವೆತ್ತಿ ಬಂದ ಪುಣ್ಯಾತ್ಮನೆ  
ಬಸವತತ್ವ ಪ್ರತಿಪಾದಕ  
ತ್ರಿವಿಧ ದಾಸೋಹಕಾರಕ  
ಕಾಯಕದ ಕೈವಲ್ಯ ನಿಧಿ ನೀ ಪಾವನಾತ್ಮನೆ.

ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಮಠ ಕ್ಷೇತ್ರ  
ಭೂಕೈಲಾಸವಾಗಿಹುದು  
ಭಕ್ತಿಯ ಪರಾಕಾಷ್ಠೆ ಇಲ್ಲಿ ಮೆರೆದು ನಿಂತಿಹುದು  
ಶಿವನ ಕುಮಾರನಾದ  
'ಶಿವಕುಮಾರ' ಶಿವಯೋಗಿಯ  
ಮಹಿಮೆ ದಶದಿಕ್ಕಿಗೂ ಹರಡಿ ನಿಂದಿಹುದು.

- ಗುರುಸಿದ್ಧಯ್ಯ ಹಿರೇಮಠ  
ಕುಡಚಿ, ಬೆಳಗಾವಿ

### ಸಿದ್ಧಗಂಗೆಯ ಶಿವ..

ಈಗ ಬೆಳ್ಳಿಯ ಬೆಳಕಾದಿರಾ  
ಗುರುಗಳೆ...  
ಬೆಳ್ಳಿಯ ಬೆಟ್ಟದ ಮೇಲೆ  
ಕುಳಿತಿರಾ ಗುರುದೇವರೆ..  
ಬಂಗಾರದ ಶಿವನಾದಿರಾ..  
ಶಿವದೇವರೆ....!

ಬಯಲು ಬಯಲಿ  
ತೇಲಿ ಬರುವ ಬಯಲುಗಳಲಿ  
ಮಹಾ ಬಯಲನು ಹಿಡಿದು  
ಅನ್ನವ ಮಹಾ ಪ್ರಸಾದ ವಾಗಿಸಿ  
ಜಂಗಮಗೊಳಿಸಿದಿರಿ...

ಅಲ್ಲಿನ ತಂಗಾಳಿಯನು  
ವಿದ್ಯೆಯ ಮಾಡಿ ಮಹಾಜ್ಞಾನವನು  
ಜಂಗಮಗೊಳಿಸಿದಿರಿ...!!

ದಿವ್ಯ ಪಾದಗಳಲಿ ಬೆಳಕು  
ತೋರಿ ಮಹಾಬೆಳಕನು  
ಜಂಗಮಗೊಳಿಸಿದಿರಿ....!!!

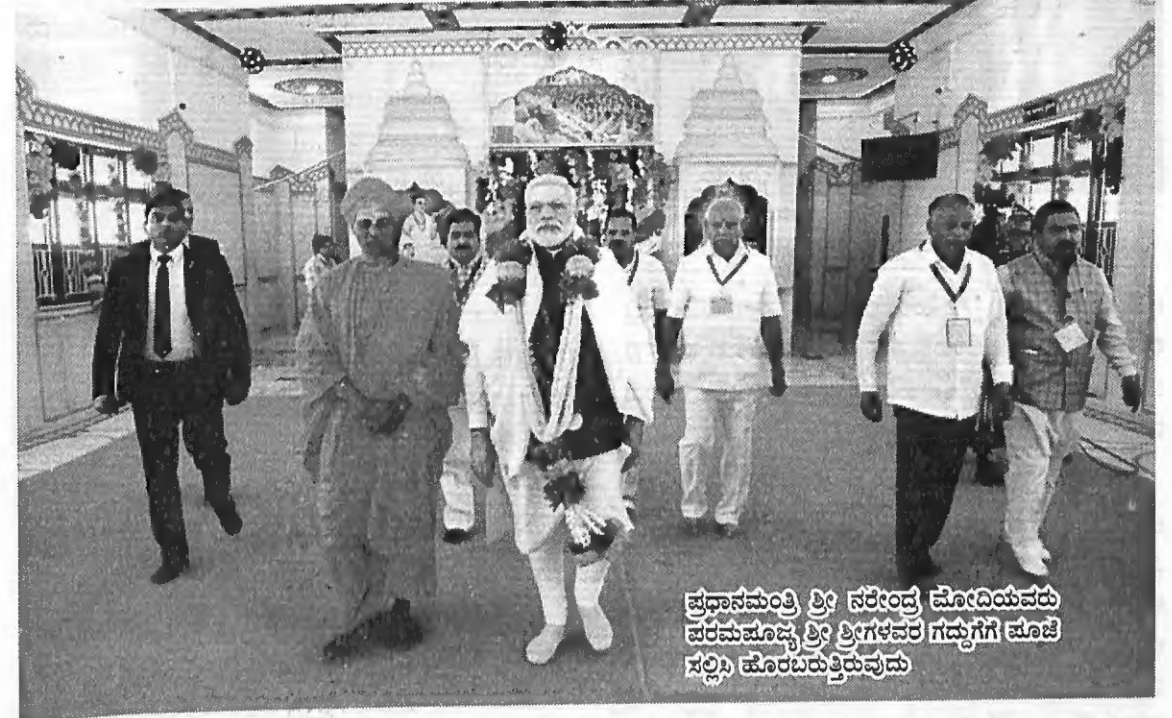
ಬೆಳ್ಳಿ ಬೆಟ್ಟವನ್ನು ಏರಿ  
ಶಿವನೇಯಾದಿರಿ..ಕರುನಾಡ  
ಸಿದ್ಧಗಂಗೆಯಲಿ..  
ಅಮೃತ ಧಾರೆಯ ಹರಿಸಿ  
ಜಗದ ಜೀವಗಳ ನ  
ಸಂಜೀವೀನಿಯಾದಿರಿ  
ಗುರು ದೇವರೆ....!!!

ಈಗ ಕನ್ನಡದ ಕಂದ ಕೃಷ್ಣನಾಯಕರ  
ಮನದಲಿ ಚುಳುಕಾಗಿ ಕುಳಿತು  
ಬೆಳ್ಳಿಯ ಬೆಳಕಾದಿರಿ..  
ಕರುನಾಡ ಜನರ ನೆನಪಲಿ  
ಬಂಗಾರವಾದಿರಾ.. !!!  
ಗುರುದೇವರೆ....

- ರವೀಂದ್ರನಾಥ ದೊಡ್ಡಮೇಟೆ.



## ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಮಠಕ್ಕೆ ಪ್ರಧಾನಮಂತ್ರಿ ಶ್ರೀ ನರೇಂದ್ರ ಮೋದಿ ಭೇಟಿ ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಡಾ. ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಶಿವಕುಮಾರ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರ ಗದ್ದುಗೆಗೆ ವಿಶೇಷಪೂಜೆ

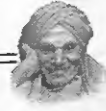


ಪ್ರಧಾನಮಂತ್ರಿ ಶ್ರೀ ನರೇಂದ್ರ ಮೋದಿಯವರು  
ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀಗಳವರ ಗದ್ದುಗೆಗೆ ಪೂಜೆ  
ಸಲ್ಲಿಸಿ ಹೊರಬರುತ್ತಿರುವುದು

ಜನವರಿ ೨, ೨೦೨೦ ರಂದು ಶ್ರೀಮಠದಲ್ಲಿ ಹಬ್ಬದ ವಾತಾವರಣ. ಭಾರತ ಕಂಡ ಅಪರೂಪದ ಪ್ರಧಾನಮಂತ್ರಿ ಸನ್ಮಾನ್ಯ ಶ್ರೀ ನರೇಂದ್ರ ಮೋದಿ ಅವರ ಆಗಮನ. ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಡಾ. ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಶಿವಕುಮಾರ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರ ಗದ್ದುಗೆಯನ್ನು ವಿವಿಧ ಬಗೆಯ ಪುಷ್ಪಗಳಿಂದ ಸಿಂಗರಿಸಲಾಗಿತ್ತು. ಗುಡ್ಡುಗೆಯ ಒಳಭಾಗದಲ್ಲಿ ಲಿಂಗದ ಮುಂದೆ ಭಾರತದ ಭೂಪಟವನ್ನು ಪುಷ್ಪಗಳಿಂದ ರಚಿಸಿ ಸಿಂಗರಿಸಲಾಗಿತ್ತು.

ಭಾರತದ ಪ್ರಧಾನಿಯೊಬ್ಬರು ತಮ್ಮ ಅಧಿಕಾರವಧಿಯಲ್ಲಿ ಎರಡು ಬಾರಿ ಮಠಕ್ಕೆ ಆಗಮಿಸುವುದರ ಮೂಲಕ ದಾಖಲೆಯನ್ನು ಬರೆದರು. ಮೊದಲ ಬಾರಿ ಬಂದಾಗ (೨೪-೯-೨೦೧೪) ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಡಾ. ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಶಿವಕುಮಾರ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರಿಗೆ ತಲೆಬಾಗಿ ಭಕ್ತಿಯಿಂದ ನಮಸ್ಕರಿಸಿ ಆಶೀರ್ವಾದ ಪಡೆದು ಧನ್ಯರಾಗಿದ್ದರು. ಆ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಹೃದಯ ತುಂಬಿ ಮಾತನಾಡಿದ್ದ ಶ್ರೀ ಮೋದಿಯವರು "ತಾವು ಹಮ್ಮಿಕೊಂಡಿರುವ ಸ್ವಚ್ಛಭಾರತವನ್ನು ಕೊಡುವಲ್ಲಿ ಪೂಜ್ಯ ಸ್ವಾಮೀಜಿಯವರ ಆಶೀರ್ವಾದದಿಂದ, ಇದರಲ್ಲಿ ಸಫಲರಾಗುತ್ತೇವೆಂಬ ಪೂರ್ಣ ವಿಶ್ವಾಸವನ್ನು ವ್ಯಕ್ತಪಡಿಸಿದ್ದರು. ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀಗಳವರು ಕಾಶ್ಮೀರ ಪ್ರವಾಹ ಪೀಡಿತರಿಗೆ ೨೫ ಲಕ್ಷ ರೂ.ಗಳ ಚೆಕ್‌ನ್ನು ನೀಡಿದಾಗ ಕೃತಜ್ಞತೆಯಿಂದ ಸ್ವೀಕರಿಸಿದ್ದ ಶ್ರೀ ಮೋದಿಯವರು ಪೂಜ್ಯ ಸ್ವಾಮೀಜಿಯವರು ನಮ್ಮ ದೇಶದ ದೊಡ್ಡಶಕ್ತಿ, ಪೂಜ್ಯ ಸ್ವಾಮೀಜಿಯವರ ಆಶೀರ್ವಾದದಿಂದ ಭಾರತದ ಭವಿಷ್ಯ ಬದಲಾಗುತ್ತದೆ ಎಂಬ ಆಶಯವನ್ನು ವ್ಯಕ್ತಪಡಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಧಾನಮಂತ್ರಿಗಳು ಇಂದು





ಪ್ರಧಾನಮಂತ್ರಿ ಶ್ರೀ ನರೇಂದ್ರ ಮೋದಿಯವರು ಬಿಲ್ವಪತ್ರೆ ಸಸಿಯನ್ನು ನೆಡುತ್ತಿರುವುದು

ನಮಗೆ ಪೂಜ್ಯ ಸ್ವಾಮೀಜಿಯವರ ಪಾದದಡಿಯಲ್ಲಿ ಕುಳಿತುಕೊಳ್ಳುವ ಸದಾವಕಾಶ ದೊರಕಿದೆ. ಅವರ ದರ್ಶನ ಭಾಗ್ಯ ದೊರಕಿತು" ಎಂದು ಹೃದಯ ತುಂಬಿ ಮಾತನಾಡಿದ್ದರು.

“ಈ ಬಾರಿ ಭೇಟಿ ನೀಡಿದಾಗ ಪರಮಪೂಜ್ಯರ ಅನುಪಸ್ಥಿತಿ ಎದ್ದು ಕಾಣುತ್ತಿದೆ. ಶೂನ್ಯಭಾವನೆ ಆವರಿಸಿದೆ” ಎಂದು ನುಡಿದುದು ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀಗಳವರ ಬಗ್ಗೆ ಅವರಿಲ್ಲಿದ್ದ ಅನನ್ಯ ಭಕ್ತಿ, ಗೌರವವನ್ನು ಸೂಚಿಸುತ್ತದೆ. ನವೆಂಬರ್ ೨೮ ರಂದು ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಲಿಂಗ ಸ್ವಾಮಿಗಳವರು ದೆಹಲಿಗೆ ಹೋಗಿ ಜನವರಿ ೧೯ ರಂದು ನಡೆಯಲಿರುವ ಪರಮಪೂಜ್ಯರ ಮೊದಲ ಪುಣ್ಯಸ್ಮರಣೆ ಸಮಾರಂಭಕ್ಕೆ ಶ್ರೀ ನರೇಂದ್ರ ಮೋದಿಯವರನ್ನು ಆಹ್ವಾನಿಸಿದ್ದುದನ್ನು ಈ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ನೆನಪು ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಬಹುದು.

ಪ್ರಧಾನಮಂತ್ರಿಗಳು ಶ್ರೀಮಠಕ್ಕೆ ಆಗಮಿಸಿದಾಗ ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಕ್ಷೇತ್ರಾಧ್ಯಕ್ಷರಾದ ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಲಿಂಗ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರು ಹೂಗುಚ್ಚ ನೀಡಿ ಬರಮಾಡಿಕೊಂಡರು ಪ್ರಧಾನಮಂತ್ರಿಗಳು ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀಗಳವರು, ಮುಖ್ಯಮಂತ್ರಿ ಶ್ರೀ ಬಿ.ಎಸ್ ಯಡಿಯೂರಪ್ಪ, ಕೇಂದ್ರ ಸಚಿವರಾದ ಶ್ರೀ ಪ್ರಹ್ಲಾದ ಜೋಶಿ, ಶ್ರೀ ಸದಾನಂದಗೌಡ, ಶ್ರೀ ಸುರೇಶ ಅಂಗಡಿ ಹಾಗೂ ರಾಜ್ಯ ಸಚಿವರಾದ ಶ್ರೀ ವಿ. ಸೋಮಣ್ಣ, ಶ್ರೀ ಮಾಧುಸ್ವಾಮಿ ಅವರೊಂದಿಗೆ ಗದ್ದುಗೆಗೆ ಪ್ರವೇಶಿಸಿದರು. ಶ್ರೀ ನರೇಂದ್ರ ಮೋದಿಯವರು ಜ್ಯೋತಿ ಬೆಳಗುವುದರ ಮೂಲಕ

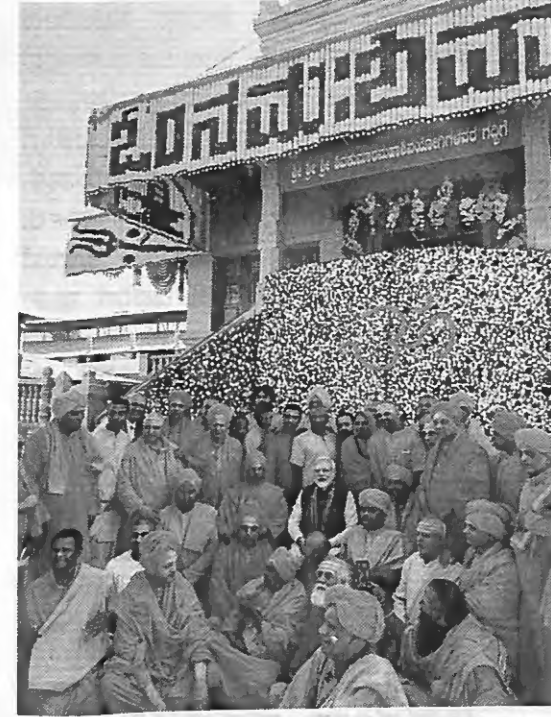
ಭಕ್ತಿಯನ್ನು ಸಮರ್ಪಿಸಿದರು. ಈ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಲಿಂಗ ಸ್ವಾಮಿಗಳು ಮೋದಿಯವರ ಹಣೆಗೆ ವಿಭೂತಿ ಧಾರಣೆ ಮಾಡಿ, ರುದ್ರಾಕ್ಷಮಾಲೆ ಹಾಕಿ, ಬಿಳಿ ಶಾಲನ್ನು ಹೊದಿಸಿ, ಹಾರ ಹಾಕಿ, ಪ್ರಸಾದ ನೀಡಿ ಆಶೀರ್ವದಿಸಿದರು. ನಂತರ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀಗಳವರೊಂದಿಗೆ ಗದ್ದುಗೆಗೆ ಪ್ರದಕ್ಷಿಣೆ ಹಾಕಿದ ಶ್ರೀ ಮೋದಿಯವರು ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ನಡೆಯುವ ಸಭಾವೇದಿಕೆಗೆ ಆಗಮಿಸಿದರು. ಇದಕ್ಕೂ ಮುನ್ನ ಗದ್ದುಗೆಯ ಪಕ್ಕದಲ್ಲಿ ಬಿಲ್ವಪತ್ರೆ ಸಸಿಯನ್ನು ನೆಟ್ಟು ನೀರೆರೆದರು.

ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಶಿವಕುಮಾರ ಸ್ವಾಮಿಗಳವರ ಸ್ಮಾರಕ ವಸ್ತು ಸಂಗ್ರಹಾಲಯಕ್ಕೆ ಶಂಕು ಸ್ಥಾಪನೆ ನೆರವೇರಿಸಿ ಮಾತನಾಡಿದ ಶ್ರೀ ಮೋದಿಯವರು “ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಮಠದ ಶಕ್ತಿ ದೇಶದ ಸಮಸ್ತ ಜನರಿಗೂ ಪ್ರೇರಣಾದಾಯಕವಾಗಿದೆ. ೨೦೨೦ರ ಹೊಸ ವರ್ಷವನ್ನು ತುಮಕೂರಿನ ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಮಠದ ಪವಿತ್ರ ಭೂಮಿಯಿಂದ ಪ್ರಾರಂಭ ಮಾಡುತ್ತಿರುವುದು ನನ್ನ ಸೌಭಾಗ್ಯ. ಬಹಳ ವರ್ಷಗಳ ನಂತರ ಈ ಪುಣ್ಯಸ್ಥಳಕ್ಕೆ ಬರುವ ಅವಕಾಶ ದೊರಕಿದೆ. ಆದರೆ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶಿವಕುಮಾರ ಸ್ವಾಮೀಜಿಯವರ ಅನುಪಸ್ಥಿತಿ ತಮಗೆ ಶೂನ್ಯದ ಅನುಭವ ನೀಡುತ್ತಿದೆ” ಎಂದು ಹೇಳಿದರು.

ಶ್ರೀಮಠದ ಮಕ್ಕಳನ್ನುದ್ದೇಶಿಸಿ ಮಾತನಾಡಿದ ಪ್ರಧಾನಮಂತ್ರಿಗಳು “ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಸಮಾನ ಶಿಕ್ಷಣ ನೀಡುವಂತಹ ಪವಿತ್ರ ಗಂಗೆ ಹರಿಯುತ್ತಿರುವ ಈ ಪುಣ್ಯ ಕ್ಷೇತ್ರದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಶಿವಕುಮಾರ ಸ್ವಾಮೀಜಿಯವರ



ಪ್ರಧಾನಮಂತ್ರಿ ಶ್ರೀ ನರೇಂದ್ರ ಮೋದಿಯವರು ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳನ್ನು ಉದ್ದೇಶಿಸಿ ಮಾತನಾಡುತ್ತಿರುವುದು



ಪ್ರಧಾನಮಂತ್ರಿ ಶ್ರೀ ನರೇಂದ್ರ ಮೋದಿಯವರೊಂದಿಗೆ ಹರಗುರು ಚರಮಾರ್ತಿಗಳು

ದೂರದೃಷ್ಟಿಯುಳ್ಳ ಉತ್ತಮ ಸೇವಾ ಕಾರ್ಯಗಳು ಎಂದೆಂದಿಗೂ ಅಚ್ಚಳಿಯದೆ ಎಲ್ಲರ ಮನದಲ್ಲಿ ಉಳಿಯುತ್ತದೆ” ಎಂದು ಅಭಿಪ್ರಾಯಪಟ್ಟರು. “ಇಂತಹ ಮಹಾಸಂತರ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಮಠದ ವತಿಯಿಂದ ವಸ್ತು ಸಂಗ್ರಹಾಲಯ ನಿರ್ಮಿಸಲು ಮುಂದಾಗಿರುವುದು ಹರ್ಷದ ಸಂಗತಿ” ಎಂದರು. ಇದೇ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಪೇಜಾವರ ಶ್ರೀಗಳವರ ಸೇವೆಯನ್ನು ಸ್ಮರಿಸಿದರು.

ತಮ್ಮ ಭಾಷಣದಲ್ಲಿ ದೇಶದ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಯ ನಿಟ್ಟಿನಲ್ಲಿ ಮೂರು ಸೂತ್ರಗಳನ್ನು ಪ್ರಸ್ತಾಪಿಸಿದ ಪ್ರಧಾನಮಂತ್ರಿಗಳು, ಸಂಸ್ಕೃತಿ, ಪ್ರಕೃತಿ ಹಾಗೂ ಜಲಸಂರಕ್ಷಣೆಯ ಅನುಷ್ಠಾನಕ್ಕಾಗಿ ಸಂತರ ನೆರವು ಕೋರಿದರು. ಈ ಮೂರು ಅಂಶಗಳ ಬಗ್ಗೆ ಜನ ಜಾಗೃತಿ ಮೂಡಿಸುವಲ್ಲಿ ಸಂತರು ಸಹ ಭಾಗಿಯಾಗಬೇಕು ಎಂದು ಮನವಿ ಮಾಡಿದರು.

ಪ್ರಧಾನಮಂತ್ರಿಗಳಿಗೆ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಲಿಂಗ ಸ್ವಾಮಿಗಳವರು ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಶಿವಕುಮಾರ

ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರ ಬೆಳ್ಳಿಪುತ್ಥಳಿಯನ್ನು ನೀಡಿ ಶಾಲು ಹೊದಿಸಿ ಗಂಧದ ಹಾರ ಹಾಕಿ ಸನ್ಮಾನಿಸಿ ಆಶೀರ್ವದಿಸಿದರು.

ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಲಿಂಗ ಸ್ವಾಮಿಗಳವರು ತಮ್ಮ ಆಶೀರ್ವಚನದಲ್ಲಿ “ಶ್ರೀಕ್ಷೇತ್ರವು ೬೦೦-೭೦೦ ವರ್ಷಗಳ ಪವಿತ್ರ ಇತಿಹಾಸ ಹಾಗೂ ಪರಂಪರೆಯನ್ನು ಹೊಂದಿರುವುದು. ಗೋಸಲ ಸಿದ್ಧೇಶ್ವರರಿಂದ ಪ್ರಾರಂಭಗೊಂಡ ಈ ಕ್ಷೇತ್ರ ಅನೇಕ ಸಿದ್ಧಮುರುಷರು, ತಪೋಧನರು, ಶಿವ ಯೋಗಿಗಳು ತಪಸ್ಸುಗೈದು ಪಾವನಗೊಳಿಸಿದ್ದಾರೆ. ೧೨ನೇ ಶತಮಾನದ ಬಸವಾದಿ ಶರಣರ ಸಾಮಾಜಿಕ, ಧಾರ್ಮಿಕ, ರಾಜಕೀಯ ಹಾಗೂ ಆರ್ಥಿಕ ಕ್ರಾಂತಿಯ ನಂತರ ಅವರ ಎಲ್ಲ ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನು ಮುಂದುವರಿಸಿದವರು ತೋಂಬದ ಸಿದ್ಧಲಿಂಗೇಶ್ವರರು, ಅಂತಹ ಮಹಾಮಹಿಮರು ಇಲ್ಲಿ ತಪವನ್ನು ಮಾಡಿ ಶ್ರೀಕ್ಷೇತ್ರದ ಅಧಿದೇವತೆಯಾಗಿದ್ದಾರೆ.

೧೯ನೇ ಶತಮಾನದ ಆದಿಯಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ಆಟವಿ ಶಿವಯೋಗಿಗಳು ಉತ್ತರ ಭಾಗದಿಂದ ಆಗಮಿಸಿ ಇಲ್ಲಿಯ ಪವಿತ್ರ ಪರಿಸರಕ್ಕೆ ಮನಸೋತು ಅನೇಕ ವರ್ಷಗಳ ಕಾಲ ಇಲ್ಲಿ ನೆಲಸಿ ದಾಸೋಹ ಹಾಗೂ ಶಿಕ್ಷಣಕ್ಕೆ ಒಂದು ಹೊಸ ತಿರುವನ್ನು ನೀಡಿದರು. ಆನಂತರ ಬಂದ ಶ್ರೀ ಉದ್ಧಾನ ಶಿವಯೋಗಿಗಳು ಅಧಿಕೃತವಾಗಿ ಸಂಸ್ಕೃತ ಪಾಠಶಾಲೆ ಯನ್ನು ಪ್ರಾರಂಭಿಸುವುದರ ಜೊತೆಗೆ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳ ಅನುಕೂಲಕ್ಕಾಗಿ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿ ನಿಲಯವನ್ನು ಪ್ರಾರಂಭಿಸಿದರು. ಅವರು ಶಿಕ್ಷಣದ ಬಗ್ಗೆ ಹಾಗೂ ಮುಂದಿನ ಪೀಳಿಗೆಯ ಬಗ್ಗೆ ಇಟ್ಟ ಕಾಳಜಿಯನ್ನು ಊಹಿಸಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗುವುದಿಲ್ಲ. ಅಂದು ಅವರು ಪ್ರಾರಂಭಿಸಿದ ನಿಲಯದಲ್ಲಿ ಜಾತಿ, ಮತ, ಪಂಥ ಭೇದವಿಲ್ಲದೆ ಎಲ್ಲ ಮಕ್ಕಳಿಗೂ ಅವಕಾಶ ಮಾಡಿದ ಮಹನೀಯರಾಗಿದ್ದಾರೆ.

“ಆಯಂ ನಿಜಃ ಪರೋವೇತಿ ಗಣನಾಲಘುಚೇತಸಾಂ, ಉದಾರ ಚರಿತಾ ನಾಂತುಂ ವಸುದೈವ ಕುಟುಂಬಕಂ”

ಎಂಬ ಮಾತಿನಂತೆ ಅವರು ವಸುದೈವ ಕುಟುಂಬಿಗಳಾಗಿ ಬೆಳಗಿದವರು. ೧೯೩೦ರಲ್ಲಿ ಪಟ್ಟಾಭಿಷೇಕರಾದ ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಗುರುದೇವರಾದ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಶಿವಕುಮಾರ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರು ಶ್ರೀಮಠದ ಸೇವಾ ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನು ಸಹಸ್ರ ಪಟ್ಟು ವಿಸ್ತರಿಸಿದರು. ಕೇವಲ ಬೆರಳಣಿಕೆಯಷ್ಟಿದ್ದ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳ ಸಂಖ್ಯೆ ವರ್ಷದಿಂದ ವರ್ಷಕ್ಕೆ ಬೆಳೆದು ೧೦ ಸಹಸ್ರ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳ ಬದುಕಿಗೆ ಶಿಕ್ಷಣ ಹಾಗೂ ಜೀವನ



ಮೌಲ್ಯಗಳನ್ನು ಕೊಡುವುದರ ಮೂಲಕ ಈ ನಾಡಿನ ಸತ್ವಜಗಳನ್ನಾಗಿಸಿದ್ದಾರೆ. ಒಂದು ಧರ್ಮ ಪೀಠದ ಪೀಠಾಧಿಪತಿಗಳಾಗಿ ೮೯ ವರ್ಷಗಳ ಕಾಲ ಸೇವೆ ಸಲ್ಲಿಸಿದ ಪೂಜ್ಯ ಶಿವಕುಮಾರ ಮಹಾಶಿವಯೋಗಿಗಳಿಗೆ ಸಲ್ಲುತ್ತದೆ. “ಕಾಯಕವೇ ಕೈಲಾಸ”ವೆಂಬ ಬಸವಣ್ಣನವರ ತತ್ವವನ್ನು ತಮ್ಮ ಬದುಕಿನುದ್ದಕ್ಕೂ ಆಚರಿಸುವುದರ ಮೂಲಕ ಇಂದು ನಮ್ಮಗಳ ದಾರಿದೀಪವಾಗಿದ್ದಾರೆ.

ಅವರು ತಪಸ್ಸು, ತ್ಯಾಗ, ಸೇವೆ, ಶಿವಯೋಗ ದಿಂದಾಗಿ ಶ್ರೀಮಠವನ್ನು ಇನ್ನೊಂದು ಸೇವಾ ಮುಖಿಯಾಗಿಸಿದ್ದಾರೆ. ಪೂಜ್ಯರು ಗ್ರಾಮೀಣ ಜನತೆ ಮೇಲೆ ಇಟ್ಟಿರುವ ಪ್ರೀತಿ, ವಾತ್ಸಲ್ಯಗಳಿಗೆ ಪೂಜ್ಯರು ಸ್ಥಾಪಿಸಿರುವ ೧೩೦ಕ್ಕೂ ಹೆಚ್ಚು ಗ್ರಾಮಾಂತರ ಶಾಲೆಗಳೇ ಸಾಕ್ಷಿಯಾಗಿವೆ.

ಹಸಿವೆಂಬ ಹೆಚ್ಚುವು ಬಸುರ ಬಂದು  
ಹಿಡಿದಿಡಲು ವಿಷವೇರಿತಯ್ಯ  
ಆಪಾರ ಮಸ್ತಕಕ್ಕೆ ಹಸಿವಿಗನ್ನವನಿಕ್ಕಿ  
ವಿಷ ಇಳುಕು ಬಲ್ಲಡೆ ಆತನೇ ಗಾರುಡಿಗ ಕಾಣಾ  
ರಾಮನಾಥ.

ದೇವರ ದಾಸೀಮಯ್ಯರ ವಚನದಂತೆ ನಾಡಿನಲ್ಲಿದ್ದ ಹಸಿವು ಮತ್ತು ಅನಕ್ಷರತೆಯನ್ನು ಹೋಗಲಾಡಿಸಿದ ಗಾರುಡಿಗರಾಗಿದ್ದಾರೆ. ಅಂತಹ ಮಹಾಶಿವಯೋಗಿಗಳ ಗದ್ದುಗೆಯ ದರ್ಶನಕ್ಕೆ ಗೌರವಾನ್ವಿತ ಪ್ರಧಾನಮಂತ್ರಿಗಳು ಆಗಮಿಸಿರುವುದು ಶ್ರೀಮಠದ ಭಕ್ತಾದಿಗಳಿಗೆ ಅತೀವ ಸಂತೋಷ ಹಾಗೂ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ಸ್ಫೂರ್ತಿಯನ್ನುಂಟು ಮಾಡಿದೆ.

Let their message, words and work remain a beacon light to all of us and to the future generation.

I pray God almighty and our Gururji to shower blessings on Narendra Modiji to continue his valuable service to the nation.

ಇದೇ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀಮಠದ ಅನನ್ಯ ಭಕ್ತರಾಗಿದ್ದು ಶ್ರೀಗಳ ಆಶೀರ್ವಾದಕ್ಕೆ ಪಾತ್ರರಾಗಿದ್ದ ಈ ನಾಡಿನ ಅತ್ಯಂತ ಜನಪ್ರಿಯ ಮುಖ್ಯಮಂತ್ರಿಗಳಾಗಿ, ಹುಟ್ಟು ಹೋರಾಟಗಾರರಾಗಿ ಅನೇಕ ಏಳುಬೀಳುಗಳು ಬಂದರು ಸಹ ನಾಡನ್ನು ಸರ್ವತೋಮುಖ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಪಥದಲ್ಲಿ ಕೊಂಡೊಯ್ಯಲು ಹಗಲಿರಲು ಶ್ರಮಿಸುತ್ತಿರುವುದು ಶ್ಲಾಘನೀಯ. ಅವರು ಕೂಡ ಈ ಸಭೆಯಲ್ಲಿ

ಪಾಲ್ಗೊಂಡಿರುವುದು, ಹಾಗೆಯೇ ಕೇಂದ್ರದ ಸಚಿವರಾದ ಪ್ರಹ್ಲಾದ ಜೋಷಿಯವರು ಮತ್ತು ಕರ್ನಾಟಕ ಸರ್ಕಾರದ ಮಂತ್ರಿವರ್ಯರಾದ ಶ್ರೀ ವಿ. ಸೋಮಣ್ಣನವರು, ಶ್ರೀ ಮಾಧುಸ್ವಾಮಿಯವರು ಈ ಸಮಾರಂಭದ ಯಶಸ್ಸಿಗೆ ತಮ್ಮದೇ ಆದ ಕೊಡುಗೆಯನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿರುತ್ತಾರೆ. ಅವರೆಲ್ಲರಿಗೆ ಅಭಿನಂದಿಸುತ್ತಾ, ಕರ್ನಾಟಕ ಸರ್ಕಾರ, ತುಮಕೂರು ಜಿಲ್ಲಾ ಆಡಳಿತ, ಪೊಲೀಸ್ ಇಲಾಖೆ ಹಾಗೂ ಇತರೆ ಎಲ್ಲಾ ಅಧಿಕಾರಿ ವರ್ಗದವರಿಗೆ ಮತ್ತು ಪತ್ರಿಕಾ ಮಾಧ್ಯಮಕ್ಕೆ ಅಭಿನಂದಿಸುತ್ತಾ, ಪ್ರಧಾನ ಮಂತ್ರಿಗಳಿಗೆ ಶ್ರೀಮಠದ ಪರವಾಗಿ ಮತ್ತೊಮ್ಮೆ ಧನ್ಯವಾದಗಳನ್ನು ಹೇಳುತ್ತಾ ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಶುಭವನ್ನು ಕೋರುತ್ತೇವೆ” ಎಂದರು.

ಮಾನ್ಯ ವಸತಿ ಹಾಗೂ ತೋಟಗಾರಿಕೆ ಸಚಿವರಾದ ಸನ್ಮಾನ್ಯ ಶ್ರೀ ವಿ. ಸೋಮಣ್ಣನವರು ಸರ್ವರನ್ನು ಸ್ವಾಗತಿಸಿದರು.

## ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಮಾಸಪತ್ರಿಕೆ

ಮಹಾಪೋಷಕರು : (ಹತ್ತು ಸಾವಿರ ರೂ.ಗಳು)

೧. ವಿಜಯಕುಮಾರ್ ಡಿ.ಆರ್. ದಾವಣಗೆರೆ.
೨. ಮಲ್ಲಣ್ಣ ಎಸ್., ಮೈಸೂರು.
೩. ಶಿವಾನಂದ ಶರ್ಮ, ಬೆಂಗಳೂರು.
೪. ಕೆ.ಎನ್. ನಾಗರಾಜು, ಚಿಕ್ಕಮಗಳೂರು.
೫. ಜಿ. ಗಂಗಾಂಬಿಕಾ W/o ಸೋಮಶೇಖರಯ್ಯ, ಬೆಂಗಳೂರು.
೬. ಹೆಚ್.ಎಂ. ಸಿದ್ಧಪ್ಪ, ಬೆಂಗಳೂರು.

ಪೋಷಕರು : (ಐದು ಸಾವಿರ ರೂ.ಗಳು)

೧. ಎಸ್. ರೇಣುಕಯ್ಯ ನಾಗೇನಹಳ್ಳಿ.
೨. ಹೆಚ್.ಕೆ. ರೇವತಿ, ಹೊಸಪೇಟೆ.
೩. ಆರ್. ಶಿವಣ್ಣ ಕೆ. ಸಿದ್ಧಗಂಗಮ್ಮ, ಬೆಂಗಳೂರು.
೪. ಉಮಾಶಂಕರ್, ಬೆಂಗಳೂರು.
೫. ಲಕ್ಷ್ಮೀದೇವಮ್ಮ W/o ಶಂಕರಪ್ಪ, ಹೇರೂರು, ತುಮಕೂರು ಜಿಲ್ಲೆ.



ನುಡಿನಮನ

## ಸಿದ್ಧಗಂಗೆಯ ಸಿದ್ಧಪುರುಷ

- ಬಿ.ವಿ. ಮಲ್ಲಾಪುರ

ದರ್ಶನ ಮಾತ್ರದಿಂದ ಸದುಹೃದಯದ ಸದ್ಭಕ್ತರ ಅಂತರಂಗದಲ್ಲಿ ಭಕ್ತಿಯ ತರಂಗಗಳನ್ನು ಉದ್ಬುಧಗೊಳಿಸಬಲ್ಲ ನಿಬ್ಬೆರಿಗಿನ ಮಹಾಮೂರ್ತಿ ಸಿದ್ಧಗಂಗೆಯ ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಶಿವಕುಮಾರ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳೆಂಬುದಕ್ಕೆ ನನ್ನ ಅನುಭವದ ಹಿನ್ನೆಲೆಯಲ್ಲಿ ಕಂಡುಕೊಂಡು ಸತ್ಯ.

ಅವರ ಮಾನವೀಯತೆ, ವೀರವಿರಕ್ತಿ, ಜಾತ್ಯಾತೀತ ಮನೋಭಾವನೆ ವೈಚಾರಿಕತೆ, ಮುಖ್ಯವಾಗಿ ಜಾತಿ-ಮತ-ಪಂಥಗಳ ಭೇದವಿಲ್ಲದೆ ಸಹಸಾರು ಬಡ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗಾಗಿ ನಡೆಸುತ್ತಿರುವ ಸುವ್ಯಸ್ಥಿತ ಪವಾಡಸದೃಶ ಮಹಾಪ್ರಸಾದ ನಿಲಯ ಮತ್ತು ತ್ರಿವಿಧ ದಾಸೋಹದ ಬಗ್ಗೆ ಓದಿ ಕೇಳಿ ತಿಳಿದಿದ್ದೆ. ಆದರೆ ಅವರ ಪುಣ್ಯದರ್ಶನ ಮಾತ್ರ ಏನಕ್ಕೇನ ಕಾರಣಗಳಿಂದ ಸಾಧ್ಯವಾಗಿರಲಿಲ್ಲವಾದರೂ, ಪೂಜ್ಯರನ್ನು ಕಾಣುವ ಬಯಕೆ ಮಾತ್ರ ಬತ್ತಿರಲಿಲ್ಲ.

“ಬರುವುದೇನುಂಟೊಮ್ಮೆ ಬರುವ ಕಾಲಕೆ ಬಹುದು. ಬಯಕೆ ಬರುವುದರ ಕಣ್ ಸನ್ನೆ ಕಾಣೊ” ಎಂಬ ಅನುಭಾವ ಕವಿಯೊಬ್ಬನ ಮಾತಿನಲ್ಲಿರುವ ಸತ್ಯದ ಸಾಕ್ಷಾತ್ಕಾರ ನನಗಾದುದು ನಿಜಕ್ಕೂ ಒಂದು ಯೋಗಾಯೋಗ.

ನನ್ನ ಅಳಿಯಂದಿರಾದ ಶ್ರೀ ಎಚ್.ಎಂ. ಭಾರತೇಶ ಅವರು ಪಾವಗಡದಲ್ಲಿ ನ್ಯಾಯಾಧೀಶರಾಗಿದ್ದರು. ಅಲ್ಲಿ ಯಾವುದೋ ಒಂದು ಸಂತೋಷದ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಬಂಧು-ಬಳಗದವರೆಲ್ಲ ಸೇರಿದ್ದೆವು. ಆಗ ಸುಪ್ರಸಿದ್ಧ ಪುಣ್ಯಕ್ಷೇತ್ರವಾದ ಸಿದ್ಧಗಂಗೆಯ ಮಠ ಮತ್ತು ಅದರ ಕರ್ಣಧಾರತ್ವವನ್ನು ವಹಿಸಿದ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಶಿವಕುಮಾರ ಸ್ವಾಮಿಗಳವರ ದರ್ಶನ ಪಡೆಯುವ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ಹಾಕಿಕೊಂಡೆವು.

ನಾವೆಲ್ಲ ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಮಠಕ್ಕೆ ಹೋದಾಗ ಪೂಜ್ಯಶ್ರೀಗಳು ಮಠದಲ್ಲಿರಲಿಲ್ಲ. ಅಲ್ಲಿಯೇ ಸಮೀಪದಲ್ಲಿದ್ದ ಶ್ರೀಮಠದ ಜಮೀನಿನಲ್ಲಿ ದೈಹಿಕ ಶ್ರಮಯುಕ್ತ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದಲ್ಲಿ ತೊಡಗಿದ್ದ ವಿಷಯ ನಮಗೆ ತಿಳಿದಾಗ ನಾವು ಆಶ್ಚರ್ಯಚಕಿತರಾದೆವು. ನಾನು ನಿಜವಾಗಿಯೂ ದಂಗೆಗಿ ಹೋದೆ. ಅಂತಹ ದೊಡ್ಡ ಮಠದ ಅಧಿಪತಿಗಳಾದ ಶ್ರೀಗಳು, ದೈಹಿಕ ಶ್ರಮಯುಕ್ತ ಕಾರ್ಯದಲ್ಲಿ ನಿರತರಾಗಿರುವುದನ್ನು ನೆನೆದಾಗ, ಬಸವಾದಿ ಪ್ರಮಥರು ಪ್ರತಿಪಾದಿಸಿದ ಕಾಯಕ ಸಿದ್ಧಾಂತದಲ್ಲಿ ಪೂಜ್ಯರಿಗಿದ್ದ ಅಚಲನಿಷ್ಠೆಯ ಅರಿವು ನನಗಾಗದೆ ಹೋಗಲಿಲ್ಲ. ಇಲ್ಲಿ ಗಮನಿಸಬೇಕಾದ ಒಂದು ಮಹತ್ವದ ಅಂಶವೆಂದರೆ ಕಾಯಕದ ಬಗೆಗಿನ ತಮ್ಮ ನಿಷ್ಠೆಯನ್ನು ಇತರ ಹಲವಾರು ಸ್ವಾಮಿಗಳಂತೆ ಕೇವಲ ಉಪದೇಶದ ಮಟ್ಟಕ್ಕೇ ನಿಲ್ಲಿಸದೆ, ಆ ನಿಷ್ಠೆಯನ್ನು ಕಾರ್ಯರೂಪಕ್ಕೆ ಇಳಿಸಿದುದು. ಶ್ರೀಗಳವರ ಈ ಬಗೆಯ ಸನ್ನಡತೆ ನನ್ನ ಮೇಲೆ ಅಚ್ಚಳಿಯದ ಪ್ರಭಾವ ಬೀರುವ ಜೊತೆಗೆ, ಅವರ ಬಗೆಗಿನ ಭಕ್ತಿ-ಗೌರವಗಳು ನನ್ನಲ್ಲಿ ಇಮ್ಮಡಿ ಮುಮ್ಮಡಿಯಾಗಿದ್ದವು. ಮಾನವ ಜನಾಂಗಕ್ಕೆ ಸರಿಯಾದ ಮಾರ್ಗದರ್ಶನ ಮಾಡಬಲ್ಲ ಬೆಳಕಿನ ಪುಂಜವೊಂದು ಶ್ರೀಮಠದಲ್ಲಿ ಜಾಜ್ಜಲ್ಯಮಾನವಾಗಿರುವುದನ್ನು ನೆನೆದು ತುಂಬಾ ಖುಷಿಪಟ್ಟೆ. ನಾವು ಹಾದಿ ಕಾಯುತ್ತಿರುವುದನ್ನು ತಿಳಿದು ಶ್ರೀಮಠಕ್ಕೆ ಆಗಮಿಸಿ ಪೂಜ್ಯರು ನಮ್ಮೆಲ್ಲರಿಗೆ ದರ್ಶನವಿತ್ತು ಆಶೀರ್ವದಿಸಿದ್ದು ಒಂದು ಪುಣ್ಯ ವಿಶೇಷ. ಅಂದು ಶ್ರೀಮಠದಲ್ಲಿ ನಮಗೆ ದೊರೆತ ಅತಿಥಿ ಸತ್ಕಾರದ ಸಿಹಿ ನೆನಪು ಇನ್ನೂ ನನ್ನ ಮನಸ್ಸಿನಲ್ಲಿ ಹಚ್ಚ ಹಸಿರಾಗಿಯೇ ಇದೆ.

ಪೂಜ್ಯರ ದರ್ಶನಭಾಗ್ಯ ಮತ್ತೆ ನನಗೆ ಒದಗಿ ಬಂದುದು, ಆಗಿನ ಧಾರವಾಡ ಜಿಲ್ಲೆ (ಈಗಿನ ಗದಗ ಜಿಲ್ಲೆ)ಯ ರೋಣ ತಾಲ್ಲೂಕಿನ ನರೇಗಲ್ ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ. ಹಾಲಕೆರೆಯ ಶ್ರೀ ಅನ್ನದಾನೀಶ್ವರ ಮಠದ ಪಟ್ಟಾಧಿಕಾರಿಗಳಾದ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಸಂಗನಬಸವ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರು ತಾವು ಆರಂಭಿಸಿದ ಅನನ್ಯ ಬಗೆಯ ಸಂಚಾರಿ ಬಸವ ಪುರಾಣ ಪ್ರವಚನದ ಮುಕ್ತಾಯ ಸಮಾರಂಭವನ್ನು ಅಲ್ಲಿ ತುಂಬಾ ಅದ್ದೂರಿ ರೀತಿಯಲ್ಲಿ ವ್ಯವಸ್ಥೆಗೊಳಿಸಿದ್ದರು. ಬಹು ದೊಡ್ಡ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ





ಮೌಲ್ಯಗಳನ್ನು ಕೊಡುವುದರ ಮೂಲಕ ಈ ನಾಡಿನ ಸತ್ವಜಗಳನ್ನಾಗಿಸಿದ್ದಾರೆ. ಒಂದು ಧರ್ಮ ಪೀಠದ ಪೀಠಾಧಿಪತಿಗಳಾಗಿ ೮೯ ವರ್ಷಗಳ ಕಾಲ ಸೇವೆ ಸಲ್ಲಿಸಿದ ಪೂಜ್ಯ ಶಿವಕುಮಾರ ಮಹಾಶಿವಯೋಗಿಗಳಿಗೆ ಸಲ್ಲುತ್ತದೆ. "ಕಾಯಕವೇ ಕೈಲಾಸ"ವೆಂಬ ಬಸವಣ್ಣನವರ ತತ್ವವನ್ನು ತಮ್ಮ ಬದುಕಿನುದ್ದಕ್ಕೂ ಆಚರಿಸುವುದರ ಮೂಲಕ ಇಂದು ನಮ್ಮಗಳ ದಾರಿದೀಪವಾಗಿದ್ದಾರೆ.

ಅವರು ತಪಸ್ಸು, ತ್ಯಾಗ, ಸೇವೆ, ಶಿವಯೋಗ ದಿಂದಾಗಿ ಶ್ರೀಮಠವನ್ನು ಇನ್ನೊಂದು ಸೇವಾ ಮುಖಿಯಾಗಿಸಿದ್ದಾರೆ. ಪೂಜ್ಯರು ಗ್ರಾಮೀಣ ಜನತೆ ಮೇಲೆ ಇಟ್ಟಿರುವ ಪ್ರೀತಿ, ವಾತ್ಸಲ್ಯಗಳಿಗೆ ಪೂಜ್ಯರು ಸ್ಥಾಪಿಸಿರುವ ೧೩೦ಕ್ಕೂ ಹೆಚ್ಚು ಗ್ರಾಮಾಂತರ ಶಾಲೆಗಳೇ ಸಾಕ್ಷಿಯಾಗಿವೆ.

ಹಸಿವೆಂಬ ಹೆಬ್ಬಾವು ಬಸುರ ಬಂದು  
ಹಿಡಿದಿಡಲು ವಿಷವೇರಿತ್ತಯ್ಯ  
ಆಪಾರ ಮಸ್ತಕಕ್ಕೆ ಹಸಿವಿಗನ್ನವನಿಕ್ಕಿ  
ವಿಷ ಇಳುಹ ಬಲ್ಲಡೆ ಆತನೇ ಗಾರುಡಿಗ ಕಾಣಾ  
ರಾಮನಾಥ.

ದೇವರ ದಾಸೀಮಯ್ಯರ ವಚನದಂತೆ ನಾಡಿನಲ್ಲಿದ್ದ ಹಸಿವು ಮತ್ತು ಅನಕ್ಷರತೆಯನ್ನು ಹೋಗಲಾಡಿಸಿದ ಗಾರುಡಿಗರಾಗಿದ್ದಾರೆ. ಅಂತಹ ಮಹಾಶಿವಯೋಗಿಗಳ ಗದ್ದುಗೆಯ ದರ್ಶನಕ್ಕೆ ಗೌರವಾನ್ವಿತ ಪ್ರಧಾನಮಂತ್ರಿಗಳು ಆಗಮಿಸಿರುವುದು ಶ್ರೀಮಠದ ಭಕ್ತಾದಿಗಳಿಗೆ ಅತೀವ ಸಂತೋಷ ಹಾಗೂ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ಸ್ಫೂರ್ತಿಯನ್ನುಂಟು ಮಾಡಿದೆ.

Let their message, words and work remain a beacon light to all of us and to the future generation.

I pray God almighty and our Guruji to shower blessings on Narendra Modiji to continue his valuable service to the nation.

ಇದೇ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀಮಠದ ಅನನ್ಯ ಭಕ್ತರಾಗಿದ್ದು ಶ್ರೀಗಳ ಆಶೀರ್ವಾದಕ್ಕೆ ಪಾತ್ರರಾಗಿದ್ದ ಈ ನಾಡಿನ ಅತ್ಯಂತ ಜನಪ್ರಿಯ ಮುಖ್ಯಮಂತ್ರಿಗಳಾಗಿ, ಹುಟ್ಟು ಹೋರಾಟಗಾರರಾಗಿ ಅನೇಕ ಏಳುಬೀಳುಗಳು ಬಂದರು ಸಹ ನಾಡನ್ನು ಸರ್ವತೋಮುಖ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಪಥದಲ್ಲಿ ಕೊಂಡೊಯ್ಯಲು ಹಗಲಿರಲು ಶ್ರಮಿಸುತ್ತಿರುವುದು ಶ್ಲಾಘನೀಯ. ಅವರು ಕೂಡ ಈ ಸಭೆಯಲ್ಲಿ

ಪಾಲ್ಗೊಂಡಿರುವುದು, ಹಾಗೆಯೇ ಕೇಂದ್ರದ ಸಚಿವರಾದ ಪ್ರಹ್ಲಾದ ಜೋಷಿಯವರು ಮತ್ತು ಕರ್ನಾಟಕ ಸರ್ಕಾರದ ಮಂತ್ರಿವರ್ಯರಾದ ಶ್ರೀ ವಿ. ಸೋಮಣ್ಣನವರು, ಶ್ರೀ ಮಾಧುಸ್ವಾಮಿಯವರು ಈ ಸಮಾರಂಭದ ಯಶಸ್ವಿಗೆ ತಮ್ಮದೇ ಆದ ಕೊಡುಗೆಯನ್ನು ಕೊಟ್ಟಿರುತ್ತಾರೆ. ಅವರೆಲ್ಲರಿಗೆ ಅಭಿನಂದಿಸುತ್ತಾ, ಕರ್ನಾಟಕ ಸರ್ಕಾರ, ತುಮಕೂರು ಜಿಲ್ಲಾ ಆಡಳಿತ, ಪೊಲೀಸ್ ಇಲಾಖೆ ಹಾಗೂ ಇತರ ಎಲ್ಲಾ ಅಧಿಕಾರಿ ವರ್ಗದವರಿಗೆ ಮತ್ತು ಪತ್ರಿಕಾ ಮಾಧ್ಯಮಕ್ಕೆ ಅಭಿನಂದಿಸುತ್ತಾ, ಪ್ರಧಾನ ಮಂತ್ರಿಗಳಿಗೆ ಶ್ರೀಮಠದ ಪರವಾಗಿ ಮತ್ತೊಮ್ಮೆ ಧನ್ಯವಾದಗಳನ್ನು ಹೇಳುತ್ತಾ ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಶುಭವನ್ನು ಕೋರುತ್ತೇವೆ" ಎಂದರು.

ಮಾನ್ಯ ವಸತಿ ಹಾಗೂ ತೋಟಗಾರಿಕೆ ಸಚಿವರಾದ ಸನ್ಮಾನ್ಯ ಶ್ರೀ ವಿ. ಸೋಮಣ್ಣನವರು ಸರ್ವರನ್ನು ಸ್ವಾಗತಿಸಿದರು.

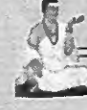
## ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಮಾಸಪತ್ರಿಕೆ

ಮಹಾಪೋಷಕರು : (ಹತ್ತು ಸಾವಿರ ರೂ.ಗಳು)

೧. ವಿಜಯಕುಮಾರ್ ಡಿ.ಆರ್. ದಾವಣಗೆರೆ.
೨. ಮಲ್ಲಣ್ಣ ಎಸ್., ಮೈಸೂರು.
೩. ಶಿವಾನಂದ ಶರ್ಮ, ಬೆಂಗಳೂರು.
೪. ಕೆ.ಎನ್. ನಾಗರಾಜು, ಚಿಕ್ಕಮಗಳೂರು.
೫. ಜಿ. ಗಂಗಾಂಬಿಕಾ W/o ಸೋಮಶೇಖರಯ್ಯ, ಬೆಂಗಳೂರು.
೬. ಹೆಚ್.ಎಂ. ಸಿದ್ಧಪ್ಪ, ಬೆಂಗಳೂರು.

ಪೋಷಕರು : (ಐದು ಸಾವಿರ ರೂ.ಗಳು)

೧. ಎಸ್. ರೇಣುಕಯ್ಯ, ನಾಗೇನಹಳ್ಳಿ.
೨. ಹೆಚ್.ಕೆ. ರೇವತಿ, ಹೊಸಪೇಟೆ.
೩. ಆರ್. ಶಿವಣ್ಣ ಕೆ. ಸಿದ್ಧಗಂಗಮ್ಮ, ಬೆಂಗಳೂರು.
೪. ಉಮಾಶಂಕರ್, ಬೆಂಗಳೂರು.
೫. ಲಕ್ಷ್ಮೀದೇವಮ್ಮ W/o ಶಂಕರಪ್ಪ, ಹೇರೂರು, ತುಮಕೂರು ಜಿಲ್ಲೆ



ನುಡಿನಮನ

## ಸಿದ್ಧಗಂಗೆಯ ಸಿದ್ಧಪುರುಷ

- ಬಿ.ವಿ. ಮಲ್ಲಾಪುರ

ದರ್ಶನ ಮಾತ್ರದಿಂದ ಸದುಹೃದಯದ ಸದ್ಭಕ್ತರ ಅಂತರಂಗದಲ್ಲಿ ಭಕ್ತಿಯ ತರಂಗಗಳನ್ನು ಉದ್ಬುದ್ಧಗೊಳಿಸಬಲ್ಲ ನಿಬ್ಬರಗಿನ ಮಹಾಮೂರ್ತಿ ಸಿದ್ಧಗಂಗೆಯ ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಶಿವಕುಮಾರ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳೆಂಬುದಕ್ಕೆ ನನ್ನ ಅನುಭವದ ಹಿನ್ನೆಲೆಯಲ್ಲಿ ಕಂಡುಕೊಂಡು ಸತ್ಯ.

ಅವರ ಮಾನವೀಯತೆ, ವೀರವಿರಕ್ತಿ, ಜಾತ್ಯಾತೀತ ಮನೋಭಾವನೆ ವೈಚಾರಿಕತೆ, ಮುಖ್ಯವಾಗಿ ಜಾತಿ-ಮತ-ಪಂಥಗಳ ಭೇದವಿಲ್ಲದೆ ಸಹಸ್ರಾರು ಬಡ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗಾಗಿ ನಡೆಸುತ್ತಿರುವ ಸುವ್ಯಸ್ಥಿತ ಪವಾಡಸದೃಶ ಮಹಾಪ್ರಸಾದ ನಿಲಯ ಮತ್ತು ತ್ರಿವಿಧ ದಾಸೋಹದ ಬಗ್ಗೆ ಓದಿ ಕೇಳಿ ತಿಳಿದಿದ್ದೆ. ಆದರೆ ಅವರ ಪುಣ್ಯದರ್ಶನ ಮಾತ್ರ ಏನಕೇನ ಕಾರಣಗಳಿಂದ ಸಾಧ್ಯವಾಗಿರಲಿಲ್ಲವಾದರೂ, ಪೂಜ್ಯರನ್ನು ಕಾಣುವ ಬಯಕೆ ಮಾತ್ರ ಬತ್ತಿರಲಿಲ್ಲ.

"ಬರುವುದೇನುಂಟೊಮ್ಮೆ ಬರುವ ಕಾಲಕೆ ಬಹುದು. ಬಯಕೆ ಬರುವುದರ ಕಣ್ ಸನ್ನೆ ಕಾಣೊ" ಎಂಬ ಅನುಭಾವ ಕವಿಯೊಬ್ಬನ ಮಾತಿನಲ್ಲಿರುವ ಸತ್ಯದ ಸಾಕ್ಷಾತ್ಕಾರ ನನಗಾದುದು ನಿಜಕ್ಕೂ ಒಂದು ಯೋಗಾಯೋಗ.

ನನ್ನ ಅಳಿಯಂದಿರಾದ ಶ್ರೀ ಎಚ್.ಎಂ. ಭಾರತೇಶ ಅವರು ಪಾವಗಡದಲ್ಲಿ ನ್ಯಾಯಾಧೀಶರಾಗಿದ್ದರು. ಅಲ್ಲಿ ಯಾವುದೋ ಒಂದು ಸಂತೋಷದ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಬಂಧು-ಬಳಗದವರೆಲ್ಲ ಸೇರಿದ್ದೆವು. ಆಗ ಸುಪ್ರಸಿದ್ಧ ಪುಣ್ಯಕ್ಷೇತ್ರವಾದ ಸಿದ್ಧಗಂಗೆಯ ಮಠ ಮತ್ತು ಅದರ ಕರ್ಣಧಾರತ್ವವನ್ನು ವಹಿಸಿದ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಶಿವಕುಮಾರ ಸ್ವಾಮಿಗಳವರ ದರ್ಶನ ಪಡೆಯುವ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ಹಾಕಿಕೊಂಡೆವು.

ನಾವೆಲ್ಲ ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಮಠಕ್ಕೆ ಹೋದಾಗ ಪೂಜ್ಯಶ್ರೀಗಳು ಮಠದಲ್ಲಿರಲಿಲ್ಲ. ಅಲ್ಲಿಯೇ ಸಮೀಪದಲ್ಲಿದ್ದ ಶ್ರೀಮಠದ ಜಮೀನಿನಲ್ಲಿ ದೈಹಿಕ ಶ್ರಮಯುಕ್ತ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದಲ್ಲಿ ತೊಡಗಿದ್ದ ವಿಷಯ ನಮಗೆ ತಿಳಿದಾಗ ನಾವು ಆಶ್ಚರ್ಯಚಕಿತರಾದೆವು. ನಾನು ನಿಜವಾಗಿಯೂ ದಂಗೆಾಗಿ ಹೋದೆ. ಅಂತಹ ದೊಡ್ಡ ಮಠದ ಅಧಿಪತಿಗಳಾದ ಶ್ರೀಗಳು, ದೈಹಿಕ ಶ್ರಮಯುಕ್ತ ಕಾರ್ಯದಲ್ಲಿ ನಿರತರಾಗಿರುವುದನ್ನು ನೆನೆದಾಗ, ಬಸವಾದಿ ಪ್ರಮಥರು ಪ್ರತಿಪಾದಿಸಿದ ಕಾಯಕ ಸಿದ್ಧಾಂತದಲ್ಲಿ ಪೂಜ್ಯರಿಗಿದ್ದ ಅಚಲನಿಷ್ಠೆಯ ಅರಿವು ನನಗಾಗದೆ ಹೋಗಲಿಲ್ಲ. ಇಲ್ಲಿ ಗಮನಿಸಬೇಕಾದ ಒಂದು ಮಹತ್ವದ ಅಂಶವೆಂದರೆ ಕಾಯಕದ ಬಗೆಗಿನ ತಮ್ಮ ನಿಷ್ಠೆಯನ್ನು ಇತರ ಹಲವಾರು ಸ್ವಾಮಿಗಳಂತೆ ಕೇವಲ ಉಪದೇಶದ ಮಟ್ಟಕ್ಕೇ ನಿಲ್ಲಿಸದೆ, ಆ ನಿಷ್ಠೆಯನ್ನು ಕಾರ್ಯರೂಪಕ್ಕೆ ಇಳಿಸಿದುದು. ಶ್ರೀಗಳವರ ಈ ಬಗೆಯ ಸನ್ನಡತೆ 'ನನ್ನ ಮೇಲೆ ಅಚ್ಚಳಿಯದ ಪ್ರಭಾವ ಬೀರುವ ಜೊತೆಗೆ, ಅವರ ಬಗೆಗಿನ ಭಕ್ತಿ-ಗೌರವಗಳು ನನ್ನಲ್ಲಿ ಇಮ್ಮಡಿ ಮುಮ್ಮಡಿಗೊಂಡವು. ಮಾನವ ಜನಾಂಗಕ್ಕೆ ಸರಿಯಾದ ಮಾರ್ಗದರ್ಶನ ಮಾಡಬಲ್ಲ ಬೆಳಕಿನ ಪುಂಜವೊಂದು ಶ್ರೀಮಠದಲ್ಲಿ ಜಾಜ್ಜಲ್ಯಮಾನವಾಗಿರುವುದನ್ನು ನೆನೆದು ತುಂಬಾ ಮಿಷಿಪಟ್ಟೆ. ನಾವು ಹಾದಿ ಕಾಯುತ್ತಿರುವುದನ್ನು ತಿಳಿದು ಶ್ರೀಮಠಕ್ಕೆ ಆಗಮಿಸಿ ಪೂಜ್ಯರು ನಮ್ಮೆಲ್ಲರಿಗೆ ದರ್ಶನವಿತ್ತು ಆಶೀರ್ವದಿಸಿದ್ದು ಒಂದು ಪುಣ್ಯ ವಿಶೇಷ. ಅಂದು ಶ್ರೀಮಠದಲ್ಲಿ ನಮಗೆ ದೊರೆತ ಅತಿಥಿ ಸತ್ಕಾರದ ಸಿಹಿ ನೆನಪು ಇನ್ನೂ ನನ್ನ ಮನಸ್ಸಿನಲ್ಲಿ ಹಚ್ಚ ಹಸಿರಾಗಿಯೇ ಇದೆ.

ಪೂಜ್ಯರ ದರ್ಶನಭಾಗ್ಯ ಮತ್ತೆ ನನಗೆ ಒದಗಿ ಬಂದುದು, ಆಗಿನ ಧಾರವಾಡ ಜಿಲ್ಲೆ (ಈಗಿನ ಗದಗ ಜಿಲ್ಲೆ)ಯ ರೋಣ ತಾಲ್ಲೂಕಿನ ನರೇಗಲ್ ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ. ಹಾಲಕರೆಯ ಶ್ರೀ ಅನ್ನದಾನೀಶ್ವರ ಮಠದ ಪಟ್ಟಾಧಿಕಾರಿಗಳಾದ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಸಂಗನಬಸವ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರು ತಾವು ಆರಂಭಿಸಿದ ಅನನ್ಯ ಬಗೆಯ ಸಂಚಾರಿ ಬಸವ ಪುರಾಣ ಪ್ರವಚನದ ಮುಕ್ತಾಯ ಸಮಾರಂಭವನ್ನು ಅಲ್ಲಿ ತುಂಬಾ ಅದ್ದೂರಿ ರೀತಿಯಲ್ಲಿ ವ್ಯವಸ್ಥೆಗೊಳಿಸಿದ್ದರು. ಬಹು ದೊಡ್ಡ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ





ಅದು ನೆರವೇರಿತು. ವಿವಿಧ ವಿಷಯಗಳನ್ನು ಕುರಿತಂತೆ ಹಲವಾರು ವಿದ್ವಾಂಸರ ಗೋಷ್ಠಿಗಳನ್ನು ಏರ್ಪಡಿಸಲಾಗಿತ್ತು. ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಸ್ವಾಮಿಗಳ ಸಾನ್ನಿಧ್ಯದಲ್ಲಿ ನಡೆದ ಒಂದು ಗೋಷ್ಠಿಯಲ್ಲಿ ನಾನೂ ಒಬ್ಬ ಉಪನ್ಯಾಸಕನಾಗಿದ್ದೆ. ನನ್ನ ಉಪನ್ಯಾಸದ ಮಧ್ಯೆ ಒಂದು ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಕಾಯಕದ ಪ್ರಸ್ತಾಪ ಬಂದಾಗ ನಾನು "ಕಾಯಕವೇ ಕೈಲಾಸ" ಎಂಬ ಮಾತು ಬಸವಣ್ಣನವರದೆಂದು ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಎಲ್ಲರೂ ಹೇಳುತ್ತಾರೆ. ಆದರೆ ನನಗೆ ತಿಳಿದಂತೆ ಬಸವಣ್ಣನವರ ಯಾವುದೇ ವಚನದಲ್ಲಿ 'ಕಾಯಕವೇ ಕೈಲಾಸ' ಎಂಬ ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಪದ ಪ್ರಯೋಗ ಕಂಡುಬರುವುದಿಲ್ಲ. ಅದು ಬರುವುದು ಆಯ್ದಕ್ಕೆ ಮಾರಯ್ಯನ

"ಕಾಯಕದಲ್ಲಿ ನಿರತನಾದರೆ ಗುರುದರ್ಶನವಾದಡೂ ಮರೆಯಬೇಕು

ಲಿಂಗಮೂರ್ತಿಯಾದಡೂ ಮರೆಯಬೇಕು

ಜಂಗಮ ಮುಂದೆ ನಿಂದಿದ್ದಡೂ ಹಂಗ ಹರಿಯಬೇಕು

ಕಾಯಕವೇ ಕೈಲಾಸವಾದ ಕಾರಣ

ಅಮರೇಶ್ವರಲಿಂಗವಾಯಿತ್ತಾದರೂ ಕಾಯಕದೊಳಗು".

ಎಂಬ ವಚನದಲ್ಲಿ, ಎಂದು ಹೇಳುವ ಜೊತೆಗೆ, ಶ್ರೀ ಸಾಮಾನ್ಯರಲ್ಲಿ ಏನಕೇನ ಕಾರಣಗಳಿಂದ ಮನೆ ಮಾಡಿಕೊಂಡಿರುವ ಅಜ್ಞಾನ, ಮೂಢನಂಬಿಕೆ ಮತ್ತು ಅರ್ಥಹೀನ ಸಂಪ್ರದಾಯಗಳ ಆಚರಣೆ, ಇತ್ಯಾದಿಗಳನ್ನು ಹೋಗಲಾಡಿಸಲು ಇಂತಹ ಪುರಾಣ ಪ್ರವಚನಗಳು ಒಳ್ಳೆಯ ಅವಕಾಶವನ್ನು ಒದಗಿಸಿಕೊಡುತ್ತವೆ. ಆದುದರಿಂದ ಸ್ವಾಮಿಗಳು, ಪುರಾಣಿಕರು, ಶಾಸ್ತ್ರಿಗಳು, ಪ್ರವಚನ ಕಾರರು ಇಂತಹ ಅವಕಾಶಗಳನ್ನು ಸದುಪಯೋಗಪಡಿಸಿ ಕೊಳ್ಳಬೇಕೆಂಬ ಮಾತನ್ನೂ ಸೇರಿಸಿದೆ.

ಇಂತಹ ನನ್ನ ಮಾತಿನ ಮರೆಯಲಿದ್ದ ವೈಚಾರಿಕತೆ ಪ್ರಾಯಃ ಪೂಜ್ಯರ ಚಿತ್ತಕ್ಕೆ ಒಪ್ಪಿತವಾದಂತೆ ತೋರುತ್ತದೆ. ಎಂತಲೇ, ಉಪನ್ಯಾಸದ ನಂತರ ನಾನು ಸ್ವಾಮಿಗಳವರ ಪಾದಕ್ಕೆ ನಮಸ್ಕರಿಸಿದಾಗ ಅವರು ತಮ್ಮ ಸಂತೋಷವನ್ನು ನನ್ನ ಬೆನ್ನು ತಟ್ಟಿ ವ್ಯಕ್ತಪಡಿಸಿದರು. ಆಗ ನನ್ನಲ್ಲಿ ಹೇಳಲಾಗದಂತಹ ಏನೋ ಒಂದು ಬಗೆಯ ಭಾವವಿಶೇಷ ಉಂಟಾದುದನ್ನು ನಾನು ಎಂದಿಗೂ ಮರೆಯಲಾರೆ. ಆಗ ಅವರ ಪಕ್ಕಪಕ್ಕನೆ ಹೊಳೆಯುತ್ತಿದ್ದ ಕಣ್ಣುಗಳಲ್ಲಿ ವೀರವಿರಕ್ತಿ, ಮುಖದಲ್ಲಿ ಲಾಸ್ಯವಾಡುತ್ತಿದ್ದ ಲಿಂಗನಿಷ್ಠಾರೂಪದ ತಪಶ್ಚಕ್ತಿ - ಇವೆರಡೂ ನನ್ನನ್ನು

ಮಂತ್ರ ಮುಗ್ಧವಾಗಿಸಿದವು. ಪೂಜ್ಯರ ಗುಣಗ್ರಾಹಕತ್ವಕ್ಕೆ ಇದೊಂದು ಸ್ಪಷ್ಟ ನಿದರ್ಶನವೆಂದು ಹೇಳಬಹುದು.

ಪೂಜ್ಯರ ಆ ಗುಣಗ್ರಾಹಕತ್ವ ಮುಂದೆ ಕೆಲವೇ ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ನನಗೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದಂತೆ ಪ್ರಕಟಗೊಂಡುದೂ ಉಂಟು. ಅವರ ಶ್ರೀಮತ ಯಾವುದೋ ಒಂದು ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದಲ್ಲಿ ಉಪನ್ಯಾಸ ನೀಡುವಂತೆ ನನಗೆ ಆಮಂತ್ರಣ ಬಂದಿತು. ಪ್ರಾಯಃ ಅದು ಪೂಜ್ಯ ಬುದ್ಧಿಯವರ ಸೂಚನೆಯ ಮೇರೆಗೆ ಅಲ್ಲಿಯ ಕಾರ್ಯಕರ್ತರಿಂದ ಬಂದಿರಬೇಕೆಂದು ನನ್ನ ಅನಿಸಿಕೆ.

ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀಗಳ ಸಾನ್ನಿಧ್ಯದಲ್ಲಿ ನಡೆದ ಆ ಉಪನ್ಯಾಸ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದ ಅಧ್ಯಕ್ಷತೆಯನ್ನು ಪೂ. ಸಿದ್ಧಲಿಂಗಯ್ಯ ನವರು ವಹಿಸಿದ್ದಂತೆ ನನ್ನ ನೆನಪು. ಉಪನ್ಯಾಸ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ಮುಕ್ತಾಯವಾದ ನಂತರ ನಾನು ಪ್ರಸಾದ ಸ್ವೀಕರಿಸಿ, ಪೂಜ್ಯರ ದರ್ಶನಾರ್ಥಿವಾದ ಪಡೆಯಲು ಹೋದೆ. ಅವರೂ ಲಿಂಗಮೂರ್ತಿ, ಲಿಂಗ ಪ್ರಸಾದಾನಂತರ ತಮ್ಮ ಕೊಠಡಿಯ ಪುಣ್ಯಾಸನದಲ್ಲಿ ಮೂರ್ತಮಾಡಿದ್ದರು. ಅವರ ತೇಜಃಪುಂಜ ಕಣ್ಣುಗಳು, ನಿರ್ಮಲ ಭಸಿತ ಶೋಭಿತ ವಿಶಾಲವಾದ ಹಣೆ, ಪುಣ್ಯವೇ ಹಣ್ಣಾದಂತಿದ್ದ ಅವರ ಕಾಷಾಯಾವೃತಕಾಯ - ಇವ ನನ್ನನ್ನು ಕೆಲವು ಕ್ಷಣ ಬೆರಗುಗೊಳಿಸಿದು ನಿಜ. ಶ್ರೀಗಳವರ ಕಾಯ, ಪ್ರಸಾದಕಾಯವಾಗಿದ್ದಂತೆ ನನಗೆ ಅನಿಸದಿರಲಿಲ್ಲ.

ಶರಣ ಸಿದ್ಧಾಂತದ ಪ್ರಕಾರ ಪರಮಾತ್ಮ ಅಥವಾ ಪರಶಿವ ಪ್ರಸಾದ ಸ್ವರೂಪನಾದರೆ, ಜೀವಾತ್ಮ ಪದಾರ್ಥ ಸ್ವರೂಪ. ಆ ಜೀವಾತ್ಮ ಪ್ರಸಾದ ಸ್ವರೂಪದ ಪರಮಾತ್ಮನಲ್ಲಿ ಬೆರೆತು ಆನಂದಿಸಬೇಕಾದರೆ ಅವನೂ ಪ್ರಸಾದ ಸ್ವರೂಪ ನಾಗಬೇಕಾಗುತ್ತದೆ. ಸಾಧಕ ಸೇವಿಸುವ ಪದಾರ್ಥ, ಪ್ರಸಾದವಾಗಬೇಕಾದರೆ ಅದು ಲಿಂಗಾರ್ಪಿತವಾಗಬೇಕು. ಅದಕ್ಕಾಗಿಯೇ ಶರಣರು ಅರ್ಪಣ ಕ್ರಿಯೆಯನ್ನು ಷಟ್ಸ್ಥಲಾಚರಣೆಯಲ್ಲಿ ಅಳವಡಿಸಿದ್ದಾರೆ. ಷಟ್ಸ್ಥಲಾಚರಣೆಯಲ್ಲಿ ತಮ್ಮನ್ನು ಪೂರ್ಣಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ ತೊಡಗಿಸಿಕೊಂಡಿರುವುದರಿಂದಲೇ ಅವರ ಕಾಯ ಪ್ರಸಾದಕಾಯವಾಗಿದೆ. ಅದರ ಮುಂದಣ ಪ್ರಕಾಶಕಾಯತ್ವ ತದನಂತರದ ಆಕಾಶಕಾಯತ್ವಗಳ ಸಿದ್ಧಿಯತ್ತ ಸಾಧನೆ ನಡೆಸಿರುವರೆಂದು ನನ್ನ ಅನಿಸಿಕೆ. ಹೀಗೆ ಶಿವಯೋಗ ಸಾಧನೆ ಮುಂದುವರಿಸಿರುವ ಶ್ರೀಗಳವರ 'ತ್ರಿವಿಧ ದಾಸೋಹ'ವೆಂತೂ ಜನಜನಿತವಾಗಿದೆ. ಇಂತಹ ಅಪ್ರತಿಮ ಚರಿತರ ಸಮೀಪದರ್ಶನ, ತದನಂತರ ಆಗದಿರುವ ಕೊರಗು ನನ್ನದು.



ಆದರೆ ಪೂಜ್ಯರು ನೆರವೇರಿಸುತ್ತಿರುವ ಅಮೂಲ್ಯ ಸಮಾಜೋ ಧಾರ್ಮಿಕ ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನು, ಜಾತಿ-ಮತ-ಪಂಥಗಳ ಬೇಧವಿಲ್ಲದೆ ಸಹಸ್ರಾರು ಬಡ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ನಡೆಸಿಕೊಂಡು ಬರುತ್ತಿರುವ ಅನ್ನದಾಸೋಹವನ್ನು ಜ್ಞಾನದ ವಿವಿಧ ಶಾಖೆಗಳ ಅಧ್ಯಯನ ಅಧ್ಯಾಪನಗಳಿಗಾಗಿ ಹಲವಾರು ವಿದ್ಯಾಸಂಸ್ಥೆಗಳನ್ನು ತೆರೆಯುವ ಮೂಲಕ ಮಾಡುತ್ತಿರುವ ವಿದ್ಯಾದಾನವನ್ನು, ಶ್ರೀಮತದಲ್ಲಿ ಧರ್ಮ-ತತ್ತ್ವ-ಸಾಹಿತ್ಯ-ಸಂಸ್ಕೃತಿಗಳನ್ನು ಕುರಿತಂತೆ ವಿಚಾರ ಸಂಕರಣ, ಉಪನ್ಯಾಸ, ಪ್ರವಚನಗಳ ಮೂಲಕ ನಡೆಸುತ್ತಿರುವ ಜ್ಞಾನ ದಾಸೋಹವನ್ನು ಪತ್ರಿಕೆ, ಪುಸ್ತಕ, ಸಂಸ್ಕರಣ ಗ್ರಂಥಗಳಲ್ಲಿ ಓದಿ, ಟಿ.ವಿ.ಗಳಲ್ಲಿ ನೋಡಿ ನನ್ನ ಆ ಕೊರಗನ್ನು ಕಡಿಮೆ ಮಾಡಿಕೊಂಡಿದ್ದೇನೆ. ಶ್ರೀಗಳವರ ವಿವಿಧಮುಖ ಸಮಾಜೋಧಾರ್ಮಿಕ ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನು ಗುರುತಿಸಿದ ಕರ್ನಾಟಕ ಸರಕಾರ 'ಕರ್ನಾಟಕ ರತ್ನ', 'ಬಸವ ಪುರಸ್ಕಾರ' ರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ಪ್ರಶಸ್ತಿ, ಕೇಂದ್ರ ಸರ್ಕಾರ ಪದ್ಮಭೂಷಣ ಪ್ರಶಸ್ತಿಯನ್ನು ನೀಡಿ ಸನ್ಮಾನಿಸಿದೆ. ಅನೇಕ ಸಂಘ ಸಂಸ್ಥೆಗಳು ಪೂಜ್ಯರಿಗೆ ನೀಡುತ್ತಿರುವ ಗೌರವ-ಪ್ರಶಸ್ತಿಗಳಿಗೆ ಲೆಕ್ಕವೇ ಇಲ್ಲ - ಇವೆಲ್ಲ ಈಗಾಗಲೇ ದಾಖಲಾಗಿರುವ ಮತ್ತು ಬಹುಜನರು ತಿಳಿದಿರುವ ವಿಷಯಗಳು.

ಹೀಗೆ ಸಮಾಜ ಅಥವಾ ಸಮಷ್ಟಿಯ ಸರ್ವತೋಮುಖ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಗಾಗಿ ಸದಾ ಚಿಂತಿಸುತ್ತಿದ್ದ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀಗಳು, ಆತ್ಮಚಿಂತನೆಯನ್ನು ಮರೆತಿರಲಿಲ್ಲ ವೆಂಬುದು ಅವಶ್ಯ ಗಮನಿಸಬೇಕಾದ ಸಂಗತಿ. ಅವರ ಆತ್ಮಚಿಂತನೆಯ ಫಲವಾಗಿ ಅಂಗಗುಣಗಳೆಂದು ಲಿಂಗಗುಣಗಳು ಅಂತರಂಗದಲ್ಲಿ ಸುಳಿದೆಂದು ಬೆಳೆಯುತ್ತಲಿವೆ. ಅದು ಅವರ ಮುಖ, ನೇತ್ರ, ಮಾತುಗಳ ಮೂಲಕ ಅವತರಣಗೊಳ್ಳುತ್ತದೆ. ಅದನ್ನು ಕಾಣುವ ಕಣ್ಣು ಬೇಕು, ಭಾವಿಸುವ ಮನ ಬೇಕು.

ಪೂಜ್ಯರ ನೇತೃತ್ವದಲ್ಲಿ ನಡೆಯುತ್ತಿದ್ದ ಪವಾಡ ಸದೃಶ ಸಮಾಜೋಧಾರ್ಮಿಕ ಕಾರ್ಯಗಳಿಗೆ ಅವರ ಈ ಆತ್ಮಶಕ್ತಿಯ ಮೂಲಸ್ತೋತ್ರ. ನನಗೆ ದೊರೆತ ಅವರ ಸಮೀಪದರ್ಶನದ ಕೆಲವೇ ಕೆಲವು ಪ್ರಸಂಗಗಳಲ್ಲಿ ನಾನು ಕಂಡುಂಡ ಅವರ ಆಧ್ಯಾತ್ಮಿಕ ಸಂಪತ್ತನ್ನು ಕಟ್ಟಿಕೊಡುವ ಒಂದು ಪ್ರಯತ್ನ ಪ್ರಸ್ತುತ ಲೇಖನ.

## ಅಭಿನಂದನೆ

ಕಲಬುರ್ಗಿಯಲ್ಲಿ ನಡೆಯುವ ಲಿಂಗನೇ  
ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಕನ್ನಡ ಸಾಹಿತ್ಯ  
ಸಮ್ಮೇಳನದ ಸರ್ವಾಧ್ಯಕ್ಷರಾಗಿ ಪ್ರಸಿದ್ಧ ಕವಿ  
ಡಾ. ಎಚ್.ಎಸ್. ವೆಂಕಟೇಶಮೂರ್ತಿ  
ಅವರು ಆಯ್ಕೆ

ಫೆಬ್ರವರಿ ೫ ರಿಂದ ೭ ರವರೆಗೆ ಕಲಬುರ್ಗಿಯಲ್ಲಿ ನಡೆಯುವ ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಲಿಂಗನೇ ಕನ್ನಡ ಸಾಹಿತ್ಯ ಸಮ್ಮೇಳನದ ಸರ್ವಾಧ್ಯಕ್ಷರಾಗಿ ಹಿರಿಯ ಪ್ರಸಿದ್ಧ ಭಾವಗೀತೆ ಕವಿ ಡಾ. ಎಚ್.ಎಸ್. ವೆಂಕಟೇಶಮೂರ್ತಿ ಅವರು ಆಯ್ಕೆಯಾಗಿರುವುದಕ್ಕೆ ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಅಭಿನಂದನೆಗಳನ್ನು ಸಲ್ಲಿಸುತ್ತದೆ ಹಾಗೂ ಶುಭಾಶಯಗಳನ್ನು ಕೋರುತ್ತದೆ.



ಜೂನ್ ೨೩, ೧೯೪೪ ರಲ್ಲಿ ದಾವಣಗೆರೆ ಜಿಲ್ಲೆಯ ಹೋದಿಗೆರೆಯಲ್ಲಿ ಜನಿಸಿ, ಕಡು ಬಡತನದಲ್ಲಿಯೇ ಓದಿ ಡಿಪ್ಲೋಮಾ ಪಡೆದ ಶ್ರೀಯುತರು ಮಲ್ಲಾಡಿಹಳ್ಳಿಯ ಶಾಲೆಯಲ್ಲಿ ಶಿಕ್ಷಕರಾಗಿ ವೃತ್ತಿ ಜೀವನವನ್ನು ಪ್ರಾರಂಭಿಸಿದರು. ಖಾಸಗಿಯಾಗಿ ಬಿ.ಎ. ಪದವಿಯನ್ನು ಪಡೆದು, ಬೆಂಗಳೂರಿಗೆ ಬಂದು ಕನ್ನಡದಲ್ಲಿ ಸ್ನಾತಕೋತ್ತರ ಪದವಿಯನ್ನು ಪ್ರಥಮ ದರ್ಜೆಯಲ್ಲಿ ಪಡೆದು, ಸೆಂಟ್ ಜೋಸೆಫ್ ವಾಣಿಜ್ಯ ಕಾಲೇಜಿನಲ್ಲಿ ಉಪನ್ಯಾಸಕಾರರಾಗಿ, ಪ್ರಾಧ್ಯಾಪಕರಾಗಿ ೨೭ ವರ್ಷಗಳ ಕಾಲ ಸೇವೆ ಸಲ್ಲಿಸಿ ೨೦೦೦ ರಲ್ಲಿ ನಿವೃತ್ತಿ ಹೊಂದಿದರು.

ಸಾಹಿತ್ಯ ಕ್ಷೇತ್ರ : ಇಪ್ಪತ್ತೇಳು ಕವನ ಸಂಕಲನಗಳನ್ನು ಶಂಖದೊಳಗಿನ ಮೌನ, ಉತ್ತರಾಯಣ ಮತ್ತು ಕನ್ನಡಿಯ ಸೂರ್ಯ, ವೈದೇಹಿ, ಸುನೀತಭಾವ ಮೊದಲಾದ ಕೃತಿಗಳನ್ನು ಹೊರತಂದಿದ್ದಾರೆ. ಮಕ್ಕಳಿಗಾಗಿ ಬಾಲ ಸಾಹಿತ್ಯವನ್ನು ಪ್ರಕಟಿಸಿದ್ದಾರೆ. ರಾಜ್ಯ ಹಾಗೂ ರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ಸಮ್ಮೇಳನಗಳಲ್ಲಿ, ವಿಚಾರಗೋಷ್ಠಿಗಳಲ್ಲಿ ಭಾಗವಹಿಸಿ ಮೌಲಿಕ ಪ್ರಬಂಧಗಳನ್ನು ಮಂಡಿಸಿದ್ದಾರೆ.

ಪ್ರಶಸ್ತಿಗಳು: ಡಾ. ಎಚ್.ಎಸ್. ವೆಂಕಟೇಶಮೂರ್ತಿಯವರು ಸಾಹಿತ್ಯ ಕ್ಷೇತ್ರದಲ್ಲಿ ಸಲ್ಲಿಸಿದ ಅನುಪಮ ಸೇವೆಗಾಗಿ ಕೇಂದ್ರ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ, ಕೇಂದ್ರ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿಯಿಂದ ಭಾಷಾಂತರ ಪ್ರಶಸ್ತಿ, ಕನ್ನಡ ರಾಜ್ಯೋತ್ಸವ ಪ್ರಶಸ್ತಿಯೂ ಸೇರಿದಂತೆ ಹಲವಾರು ಪ್ರತಿಷ್ಠಿತ ಪ್ರಶಸ್ತಿಗಳಿಗೆ ಭಾಜನರಾಗಿದ್ದಾರೆ.





ನುಡಿನಮನ

## ಬೃಂದಾವನದಲ್ಲಿ ಲೀನರಾದ ವಿಶ್ವಸಂತ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ವಿಶ್ವೇಶತೀರ್ಥ ಶ್ರೀಪಾದರು

- ಎಚ್.ಎಸ್. ಸಿದ್ಧಗಂಗಪ್ಪ \*

ವಿಶ್ವಸಂತ, ರಾಷ್ಟ್ರಸಂತ, ಆಧ್ಯಾತ್ಮಿಕ ಚಿಂತಕ, ವಿದ್ವತ್‌ಗಣಿ, ಸಂಪ್ರದಾಯದೊಳಗೆ ಕ್ರಾಂತಿಕಾರಿ ಹಬ್ಬಿದ ಪ್ರಗತಿಪರ ಚಿಂತಕ, ಪ್ರಜಾಪ್ರಭುತ್ವ ಮೌಲ್ಯಗಳನ್ನು ಎತ್ತಿಹಿಡಿದ ರಾಷ್ಟ್ರಭಕ್ತ, ಸರ್ವಧರ್ಮ ಸಮನ್ವಯದ ಹರಿಕಾರ, ಉಡುಪಿಯ ಪೇಜಾವರ ಮಠಾಧ್ಯಕ್ಷರಾಗಿದ್ದ ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ವಿಶ್ವೇಶತೀರ್ಥ ಶ್ರೀಪಾದಗಳವರು ಡಿಸೆಂಬರ್ ೨೯ ರಂದು ಮುಂಜಾನೆ ಬೃಂದಾವನದಲ್ಲಿ ಲೀನವಾದರು. ಅವರಿಗೆ ೮೮ ವರ್ಷವಾಗಿತ್ತು. ಪೂಜ್ಯರಿಗೆ ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಆಶ್ರಿತರ್ಪಣವನ್ನು ಅರ್ಪಿಸುತ್ತದೆ.

ಜನನ-ಶಿಕ್ಷಣ : ಏಪ್ರಿಲ್ ೨೭, ೧೯೩೧ ರಂದು ಪುತ್ತೂರು ತಾಲ್ಲೂಕಿನ ರಾಮಕುಂಜ ಎಂಬ ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಜನಿಸಿದರು. ಹೆಡೆದ ಪುಣ್ಯಜೀವಿಗಳು ತಂದೆ ಎಂ. ನಾರಾಯಣಾಚಾರ್ಯ, ತಾಯಿ ಕಮಲಮ್ಮ. ತಾಯಿ ತೊಟ್ಟಲಲ್ಲಿ ಮಲಗಿಸಿ ತೂಗುವಾಗ ತನ್ನ ಕರುಳಕಂಡ ಮುಂದೆ ಮಹಾನ್ ಸಂತನಾಗಿ ರಾಷ್ಟ್ರಕ್ಕೆ ಆಧ್ಯಾತ್ಮಿಕ ಬೆಳಕನ್ನು ನೀಡುತ್ತಾನೆಂದು ಊಹಿಸಿರಲಿಲ್ಲ ! ಹುಟ್ಟಿದ ಮಗುವಿಗೆ ಪ್ರೀತಿಯಿಂದ ವೆಂಕಟರಮಣ ಎಂಬ ಹೆಸರಿಟ್ಟರು. ಹುಟ್ಟಿದೊಂದಿಗೇ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ಶಿಕ್ಷಣವನ್ನು ಮುಗಿಸಿದ ಮೇಲೆ ೭ನೇ ವರ್ಷಕ್ಕೆ ಉಪನಯನದ ಪೂರ್ವ ತಂದೆ ತಾಯಿಗಳು ಉಡುಪಿಗೆ ಕರೆತಂದಿದ್ದರು. ಆಗ ಪೇಜಾವರಶ್ರೀ ವಿಶ್ವಮಾನ್ಯತೀರ್ಥ ಶ್ರೀಪಾದರ ಪರ್ಯಾಯ ಶುಭ ಸಂದರ್ಭವಾಗಿತ್ತು. ಶ್ರೀಪಾದರು ಶ್ರೀಕೃಷ್ಣನ ಪೂಜೆ ಮಾಡುವುದನ್ನು ತದೇಕ ಚಿತ್ತದಿಂದ ಗಮನಿಸುತ್ತಿದ್ದ ವೆಂಕಟರಮಣನನ್ನು ಗಮನಿಸಿದ ಪೂಜ್ಯರಿಗೆ, ವೆಂಕಟರಮಣ ನಮಸ್ಕರಿಸಲು ಹೋದಾಗ ಅವನ ಮುಗ್ಧ, ಸೌಮ್ಯ ತಿಳಿವಳಿಕೆಯಿಲ್ಲದ ವೆಂಕಟರಮಣ ತನ್ನ ಒಳಮನಸ್ಸಿನ ಪ್ರೇರಣೆಯಿಂದ 'ಹೂಂ' ಎಂದನಂತೆ. ಶ್ರೀಕೃಷ್ಣನ ಪ್ರೇರಣೆಯಿಂದ ಶ್ರೀ ವಿಶ್ವಮಾನ್ಯ ತೀರ್ಥ ಶ್ರೀಪಾದರು ವೆಂಕಟರಮಣನನ್ನೇ ತಮ್ಮ ಉತ್ತರಾಧಿಕಾರಿಯಾಗಿ ಸ್ವೀಕರಿಸಲು ನಿಶ್ಚಯಿಸಿ, ತಂದೆ ತಾಯಿಗಳ ಒಟ್ಟಿಗೆ ಪಡೆದು ಡಿಸೆಂಬರ್ ೩, ೧೯೩೮ ರಲ್ಲಿ ಹಂಪಿಯ ಯಂತ್ರೋದ್ಧಾರ ಮುಖ್ಯಪ್ರಾಣನ ಸನ್ನಿಧಿಯಲ್ಲಿ ಶ್ರೀ ವಿಶ್ವೇಶತೀರ್ಥರೆಂಬ ಅಭಿದಾನದಿಂದ ಸನ್ಯಾಸ ದೀಕ್ಷೆ ನೀಡಲಾಯಿತು. ಎಲ್ಲವೂ ಒಂದು ರೀತಿ ಸಿನಿ ಪಯಣದಂತೆ ನಡೆದು ಹೋಯಿತು.

ಒಂದು ಕುಗ್ರಾಮದ ಮುಗ್ಧ ಬಾಲಕ ಪೇಜಾವರ ಮಠದ ಉತ್ತರಾಧಿಕಾರಿಯಾದುದು ಯೋಗಾಯೋಗ! ತಂದೆ ತಾಯಿಗಳು ಶ್ರೀಕೃಷ್ಣನನ್ನು ಪೂಜಿಸಿದ ಪುಣ್ಯದ ಫಲ! ಅಂತಹ ಸುಪುತ್ರನನ್ನು ಪಡೆದ ಅವರು ನಿಜಕ್ಕೂ ಧನ್ಯರು. ಅವರ ಪುಣ್ಯ ಗರ್ಭದಲ್ಲಿ ಜನಿಸಿದ ವೆಂಕಟರಮಣರೂ ಧನ್ಯರು.

ಶ್ರೀ ವಿಶ್ವೇಶತೀರ್ಥರ ಸಂಸ್ಕೃತ ಆರಂಭಿಕ ಶಿಕ್ಷಣ ಉಡುಪಿ ಮಠದ ವಿದ್ವಾಂಸರ ಹತ್ತಿರ ನಡೆಯಿತು. ಇದೇ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಭಂಡಾರಕೇರಿ ಮಠಾಧೀಶರಾಗಿದ್ದ ಶ್ರೀ ವಿದ್ಯಾಮಾನ್ಯತೀರ್ಥ ಶ್ರೀಪಾದರು ಉಡುಪಿಗೆ ಬಂದರು. ತಪಸ್ವಿಗಳು, ಘನವಿದ್ವಾಂಸರೂ ಆಗಿದ್ದ ಶ್ರೀ ವಿದ್ಯಾಮಾನ್ಯರನ್ನು ಬಾಲಯುತಿಗಳಾಗಿದ್ದ ಶ್ರೀ ವಿಶ್ವೇಶತೀರ್ಥರು ಆಹ್ವಾನ ನೀಡಿ ಮಠಕ್ಕೆ ಕರೆಸಿಕೊಂಡು ಸತ್ಕರಿಸಿದ ರೀತಿಯನ್ನು ಕಂಡು ಪ್ರಭಾವಿತರಾದರು. ಚಿಕ್ಕ ವಯಸ್ಸಿನಲ್ಲಿಯೇ ಅವರಲ್ಲಿದ್ದ ಕ್ರಿಯಾಶೀಲತೆ ಅವರನ್ನು ಬೆರಗಾಗುವಂತೆ ಮಾಡಿತು.

ಶ್ರೀ ವಿಶ್ವೇಶತೀರ್ಥರ ಚುರುಕುತನವನ್ನು ಹತ್ತಿರದಿಂದ ಗಮನಿಸಿದ ಶ್ರೀ ವಿದ್ಯಾಮಾನ್ಯ ತೀರ್ಥರು ಮುಂದೆ ನಡೆದ ಮಧ್ವರಾಧ್ಯಂತ ಸಂವರ್ಧನೀ ಸಭೆಯ ಅಧ್ಯಕ್ಷತೆಗೆ ಆಹ್ವಾನಿಸಿದರು. ರಾಜ್ಯದ ವಿವಿಧ ಕಡೆಗಳಿಂದ ಬಂದ ಹಿರಿಯ ವಿದ್ವಾಂಸರು ಸಮಾವೇಶಗೊಂಡಿದ್ದ ವಿದ್ವತ್‌ಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಪೇಜಾವರ ಶ್ರೀ ವಿಶ್ವೇಶತೀರ್ಥರು ನೀಡಿದ ಭಾಷಣಕ್ಕೆ ಸಭೆಯೇ ತಲೆದೂಗಿತು. ಅವರಲ್ಲಿ ಮಡುಗಟ್ಟಿದ್ದ ಚಿಂತನೆ ಮಾತುಗಳ ರೂಪದಲ್ಲಿ ಆರೋಹಣವಾಯಿತು. ಶ್ರೀ ವಿಶ್ವೇಶತೀರ್ಥರು ಗ್ರಹಿಕೆಯ ಶಕ್ತಿಯನ್ನು ಕಂಡ ಶ್ರೀ ವಿದ್ಯಾಮಾನ್ಯ ತೀರ್ಥರು ತಮ್ಮಲ್ಲಿ ವ್ಯಾಸಂಗ ಮಾಡಲು ಆಶ್ರಯ ನೀಡಿದರು. ಎಂಟು ವರ್ಷಗಳ ನಿರಂತರ ಅಧ್ಯಯನ.

\* ೧೬೧೭, ಮಾತೃಶ್ರೀ, ಸರ್ ಎಂ.ವಿ. ಮುಂದುವರೆದ ಬಡಾವಣೆ, ೮ನೇ ಬ್ಲಾಕ್, ಸ್ಕೂಲಿಧಾಮದ ಎದುರು ಮುದ್ದಿನಪಾಳ್ಯ ಮುಖ್ಯರಸ್ತೆ, ಬೆಂಗಳೂರು-೯೧ ಮೊ: ೯೮೪೫೫ ೬೫೮೭೧



ಮಾಧ್ವಸಿದ್ಧಾಂತದ ಮೇರು ಕೃತಿ, ನ್ಯಾಯಸುಧಾವನ್ನು ತಲಸ್ಪರ್ಶಿ ಅಧ್ಯಯನ ಮಾಡಿ ಕರಗತ ಮಾಡಿಕೊಂಡರು. ಇಡೀ ದೇಶವೇ ಗೌರವಿಸುವ ಶಾಸ್ತ್ರವೇತ್ತರಾದರು.

ನಂಜನಗೂಡಿನಲ್ಲಿ ೧೯೫೧ರಲ್ಲಿ ಆಗಮತ್ರಯ ವಿದ್ವಾಂಸರ ಸಮ್ಮೇಳನ ನಡೆಯಿತು. ಆಗ ಶ್ರೀ ವಿಶ್ವೇಶತೀರ್ಥರಿಗೆ ೨೦ರ ಹರೆಯು. ಆ ವೇಳೆಗಾಗಲೇ ತಮ್ಮ ಅಗಾಧವಾದ ಪಾಂಡಿತ್ಯದಿಂದ ಎಲ್ಲ ವಿದ್ವಾಂಸರ ಗಮನವನ್ನು ಆಯಸ್ಕಾಂತದಂತೆ ತಮ್ಮತ್ತ ಆಕರ್ಷಿಸಿದ್ದರು. ಪಂಡಿತರ ಸರ್ವಾನುಮತ ಒಪ್ಪಿಗೆಯಿಂದ ಸಮ್ಮೇಳನದ ಅಧ್ಯಕ್ಷತೆಯ ಗೌರವವನ್ನು ನೀಡಲಾಯಿತು. ಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಉಪಸ್ಥಿತರಿದ್ದ ಮೈಸೂರು ಮಹಾರಾಜರಾಗಿದ್ದ ಶ್ರೀ ಜಯಚಾಮ ರಾಜೇಂದ್ರ ಒಡೆಯರು ತರುಣ ಯತಿಯ ಪಾಂಡಿತ್ಯಕ್ಕೆ ಬೆರಗಾಗಿ, ಪ್ರಭಾವರಾಗಿ, ಅರಮನೆಗೆ ಕರೆಸಿ ಪೂಜೆ ಮಾಡಿಸಿ ಗೌರವಿಸಿದರು.

ಮೊದಲ ಪೀಠಾವರೋಹಣ :

ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ವಿಶ್ವೇಶತೀರ್ಥ ಶ್ರೀಪಾದರು ತಮ್ಮ ೨೧ನೇ ವಯಸ್ಸಿನಲ್ಲಿ ಜನವರಿ-೧೮, ೧೯೫೨ ರಂದು ಮೊದಲ ಪೀಠಾವರೋಹಣ ಮಾಡುವುದರ ಮೂಲಕ ಶ್ರೀಮಠದ ಇತಿಹಾಸದಲ್ಲಿ ದಾಖಲೆ ಬರೆದರು. ಅಲ್ಲಿಂದಾಚೆ ಅವರು ಕೈಗೊಂಡ ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಪರ್ಯಾದಲ್ಲೂ ರಚನಾತ್ಮಕ ಯೋಜನೆಗಳನ್ನು ಹಮ್ಮಿಕೊಂಡು ಸಾಕಾರಗೊಳಿಸಿ ಮಠಗಳ ಇತಿಹಾಸದಲ್ಲಿ ಮನ್ವಂತರಕ್ಕೆ ನಾಂದಿ ಹಾಡಿದರು.

ಪಂಚಪರ್ಯಾಯಗಳ ದಾಖಲೆ ನಿರ್ಮಿಸಿದ ಸಂತ

ಉಡುಪಿಯ ಅಷ್ಟಮಠಗಳ ಯತಿಗಳಲ್ಲಿ ಪರ್ಯಾಯಗಳ ಸಂಖ್ಯೆಯಲ್ಲಿ ದಾಖಲೆ ಮಾಡಿದವರು ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ವಿಶ್ವೇಶತೀರ್ಥ ಶ್ರೀಪಾದರು. ಇವರು ಐದು ಬಾರಿ ಪರ್ಯಾಯ ಪೀಠವೇರಿ ಶ್ರೀಕೃಷ್ಣನ ಪೂಜೆ ಮಾಡಿದ್ದಾರೆ. ಈ ಹಿಂದೆ ಶ್ರೀ ವಾದಿರಾಜರು ಮಾತ್ರ ೩ ಬಾರಿ ಪರ್ಯಾಯ ಪೀಠವೇರಿದ್ದು, ಶ್ರೀ ವಿಶ್ವೇಶತೀರ್ಥರು ಅದನ್ನು ಸರಿಗಟ್ಟಿದ್ದಾರೆ. ಅವರ ಮೊದಲ ಪರ್ಯಾಯ ೧೯೫೨-೫೪ರಲ್ಲಿ, ಎರಡನೇ ಪರ್ಯಾಯ ೧೯೬೮-೭೦, ಮೂರನೇ ಪರ್ಯಾಯ ೧೯೮೪-೮೬, ನಾಲ್ಕನೇ ಪರ್ಯಾಯ ೨೦೦೨-೦೨ ಹಾಗೂ ಐದನೇ ಪರ್ಯಾಯ ೨೦೧೬-೧೮ ರಲ್ಲಿ ನಡೆದಿದ್ದವು.

ಅಸ್ಪೃಶ್ಯರ ಪರ ದನಿ ಎತ್ತಿದ್ದ ಮಹಾಮಾನವತಾವಾದಿ

ಪೂಜ್ಯರ ಬಾಲ್ಯದಲ್ಲಿ ನಡೆದ ಒಂದು ಘಟನೆ ಅಸ್ಪೃಶ್ಯತೆಯ ವಿರುದ್ಧ ಹೋರಾಡುವಂತೆ ಮಾಡಿತು.

ದೇವಾಲಯಗಳಲ್ಲಿ ದಲಿತರಿಗೆ ಪ್ರವೇಶ ದೊರೆಯಬೇಕೆಂಬ ತುಡಿತ ಅವರಲ್ಲಿ ಸದಾ ಕಾಡುತ್ತಿತ್ತು. ವಿಶ್ವ ಹಿಂದೂ ಪರಿಷತ್ ಸಮಾವೇಶಗಳಲ್ಲಿಯೂ ಈ ಬಗ್ಗೆ ವ್ಯಾಪಕವಾದ ಚರ್ಚೆ ನಡೆಯಿತು. ಸ್ವಾಮೀಜಿಯವರನ್ನು ಒಗ್ಗೂಡಿಸಿ ಅಸ್ಪೃಶ್ಯತಾ ನಿವಾರಣಾ ನಿಲುವಳಿಯನ್ನು ಸ್ವೀಕರಿಸಲಾಯಿತು. ಬಳಿಕ ಮೊದಲ ಬಾರಿಗೆ ಬೆಂಗಳೂರಿನ ಜಬ್ಬಾರ ದಲಿತ ಕಾಲೋನಿಗೆ ಪ್ರವೇಶ ಮಾಡಿದರು. ಅವರು ಕೈಗೊಂಡ ಈ ಕ್ರಾಂತಿಕಾರಿ ನಿಲುವನ್ನು ಕೆಲವು ಧಾರ್ಮಿಕ ಮುಖಂಡರು ವಿರೋಧಿಸಿದರು. ಕಾಲೋನಿಗೆ ಪ್ರವೇಶಿಸುವಾಗ ಭಾರಿ ಸ್ವಾಗತ ದೊರೆಯಿತಾದರೂ, ಹಿಂದಿರುಗಿ ಬರುವಾಗ ಭಾರಿ ವಿರೋಧವೂ ವ್ಯಕ್ತವಾಯಿತು. ಇದಾದ ಒಂದು ವರ್ಷದ ಒಳಗೆ ವಿರೋಧಿಸಿದವರೂ ಪೂಜ್ಯರ ಪ್ರಖರವಾದ ಚಿಂತನೆಗಳಿಗೆ ತಲೆಬಾಗಿ ಪರಿವರ್ತನೆಗೊಂಡರು. ೧೯೬೯ ರಲ್ಲಿ ಕೊಪ್ಪಳ ನಗರದ ಚಂದಪ್ಪ ಹರಿಜನ ಎಂಬುವರ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಸತ್ಯನಾರಾಯಣ ಪೂಜೆಯನ್ನು ಸ್ವತಃ ತಾವೇ ನೆರವೇರಿಸಿದ್ದರು. ಸಂಪ್ರದಾಯಗಳಿಗೆ ತಲೆಕೆಡಿಸಿಕೊಳ್ಳದೆ ಪೂಜೆ ನೆರವೇರಿಸಿ, ಸಂಪ್ರದಾಯಗಳ ಕೆಂಗಣ್ಣಿಗೆ ಗುರಿಯಾಗಿದ್ದರು.

ಸಾಮರಸ್ಯದ ಸೇತುವೆ ಕಟ್ಟಿದವರು

ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ವಿಶ್ವೇಶತೀರ್ಥ ಸ್ವಾಮೀಜಿಯವರು ೧೯೫೪ರಲ್ಲಿ ಮೊದಲ ಬಾರಿಗೆ ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿಯ ಸಮೀಪದ ನವಲಗುಂದಕ್ಕೆ ಹೋಗುವುದರ ಮೂಲಕ ಸಂಚಾರವನ್ನು ಪ್ರಾರಂಭಿಸಿದರು. ಅಲ್ಲಿ ವೀರಶೈವ ಮಠಾಧೀಶರು ಆಹ್ವಾನ ನೀಡಿದಾಗ, ಅಲ್ಲಿಗೆ ಹೋಗಿ ವಿದ್ವತ್‌ಪೂರ್ಣವಾದ ಉಪನ್ಯಾಸ ನೀಡಿದರು. ಬ್ರಾಹ್ಮಣ ಮಠಾಧೀಶರೊಬ್ಬರು ವೀರಶೈವ ಮಠಾಧೀಶರ ಜೊತೆಯಲ್ಲಿ ಒಂದೇ ವೇದಿಕೆಯನ್ನು ಹಂಚಿಕೊಂಡಿದ್ದು ಅದೇ ಮೊದಲಾಗಿತ್ತು. ಮುಂದೆ ಹೀಗೆಯೇ ಎಲ್ಲ ಸಂಪ್ರದಾಯ ಜಾತಿಗಳ ಮಠಾಧೀಶರ ಜೊತೆಗೆ ಭಾಗವಹಿಸಿದ ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀಗಳು ಸಾಮರಸ್ಯದ ಹೊಸ ಅಧ್ಯಾಯವನ್ನು ತೆರೆದಿಟ್ಟರು.

ಸಾಮಾಜಿಕ ಕಳಕಳಿ

ಪ್ರಕೃತಿಯ ವೈಪರೀತ್ಯದಿಂದ ಸಮಾಜದಲ್ಲಿ ಅವಘಡಗಳು ಉಂಟಾದಾಗ, ಸಮಾಜದ ಬಗ್ಗೆ ಅಪಾರ ಕಳಕಳಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿದ್ದ ಶ್ರೀಗಳು ಕೂಡಲೇ ನೆರವಿಗೆ ಧಾವಿಸುತ್ತಿದ್ದರು. ಭೂಕಂಪ, ಅತಿವೃಷ್ಟಿ, ಮತ್ತಿತರ ಸಂದರ್ಭಗಳಲ್ಲಿ ಅಸಹಾಯಕರಿಗೆ ಮುಕ್ತ ಮನಸ್ಸಿನಿಂದ ನೆರವು ನೀಡಲು ಶ್ರಮಿಸಿದರು. ಗಂಜಿ ಕೇಂದ್ರಗಳನ್ನು













ಲಿಂಗವೊಂದನ್ನು ಸ್ಥಾಪಿಸಿ ಅದರ ಮೇಲೆ ಮಂದಾರವೃಕ್ಷದಡಿಯಲ್ಲಿ ತನ್ನ ಕೈಸೇರಿದ್ದ ಲಿಂಗವನ್ನು ಸ್ಥಾಪಿಸಿದನು. ಇದು ಯೋಗಲಿಂಗವಾಯಿತು, ಎಂದೆಲ್ಲ ವಿವೇಚಿಸಿದ್ದಾರೆ ಡಾ. ಎಂ.ಎಂ. ಕಲಬುರ್ಗಿ<sup>೧೩</sup>.

ಈ ಹಿನ್ನೆಲೆಯಲ್ಲಿ ಗಮನಿಸಿದರೆ ಶ್ರೀಶೈಲದಲ್ಲಿ ಶಿವನಾಣತಿಯಾಗಲು (ಮಲ್ಲಿಕಾರ್ಜುನಲಿಂಗ), ಸಿದ್ಧರಾಮನಿಗೆ, 'ಆದಿಲಿಂಗ' ಶ್ರೀಶೈಲ ಮಲ್ಲಿಕಾರ್ಜುನನ, ಸಾಂಕೇತಿಕವಾಗಿ ಸಿದ್ಧರಾಮಚಾರಿತ್ರದ ಮಾತನ್ನು ಗಮನಿಸಿದರೆ ಸೊನ್ನಲಿಗೆಯಲ್ಲಿ ಕೋಟಿ ದೇಗುಲದಲ್ಲಿ ಮೊದಲಿದ್ದ ಲಿಂಗವೇ ಆದಿಲಿಂಗವಾಗಬೇಕು. ಜೊತೆಗೆ ಶಾಸನದ ರೀತ್ಯಾ, ಶ್ರೀಕನ್ನೇಶ್ವರ ಚಟ್ಟೇಶ್ವರ ಮಲ್ಲಿಕಾರ್ಜುನ ತ್ರಿಕೂಟ ಶಿವಾಲಯಕ್ಕೆ ದತ್ತಿ ಕನ್ನಪಯನಾಯಕನಿಂದಾಗಿ ದೊರೆತದ್ದು ರಾಜದತ್ತಿ ಎನ್ನಬೇಕು. ಕೋಟಿಯಲ್ಲಿ ಆ ದೇವಾಲಯವಿದ್ದುದೂ ಸಹಜ. ಇದಲ್ಲದೆ ಶಾಸನಗಳಲ್ಲಿ ಬರುವ ಸಿದ್ಧರಾಮನ ವಚನಸೂಚಿತ ಭಾಗದಲ್ಲಿ 'ಮನದ ಕೊನೆ ಜ್ಯೋತೀಶ್ವರನುಂ ವಿಶಭನ ರೂಪಾಗಿ ... ತಾನೆಯಾಗಿ ... ಯೋಗರಮಣೀಯ ಕ್ಷೇತ್ರ ... ಅಭಿನವ ಶ್ರೀಶೈಲವನೆ ಮಾಡಿ' ಎಂದಿರುವಲ್ಲಿ ಸಿದ್ಧರಾಮ ಚರಿತ್ರಗೂ ಹೊಂದಿಕೊಂಡಂತೆ ಕೋಟಿ ಮಲ್ಲಿಕಾರ್ಜುನನ ದೇಗುಲವೇ ಆದಿಲಿಂಗದ ನೆಲೆಯಾಗಿ, 'ಜ್ಯೋತೀಶ್ವರ'ನು ಜ್ಯೋತಿರ್ಲಿಂಗವೆನಿಸಿ, ಲಿಂಗದ ಮೇಲೆ ಲಿಂಗ ಆಗಿ, ಅಂದರೆ ಶ್ರೀಶೈಲದ ಆದಿಲಿಂಗವೆ ಸೊನ್ನಲಿಗೆಯ ಕಪಿಲಸಿದ್ಧ ಮಲ್ಲಿಕಾರ್ಜುನಕ್ಕೆ ಆಧಾರವಾಗಿ 'ಲಿಂಗ ಮೇಲೆ ಲಿಂಗ'ವೆನಿಸುವ ಯೋಗಲಿಂಗ ಪ್ರಸ್ತಾಪವಾಗುತ್ತದೆ. ಅರ್ಥಾತ್ ಶ್ರೀಶೈಲದಿಂದ-ಆದಿಲಿಂಗನ ನೆಲೆಯಿಂದ 'ಬಂದು ಸೊನ್ನಲಿಗೆಯಲ್ಲಿ 'ಆದಿಲಿಂಗ'ವೆಂದು ಪರಿಭಾವಿಸಿ ಸ್ಥಾಪನೆ ಮಾಡಿರಬೇಕು. ಹಾಗೂ ತ್ರಿಕೂಟ ದೇಗುಲ ಎಂದೆಲ್ಲ ಹೇಳಲು ಪಾಳುಬಿದ್ದಾಗ ಅದು ನಾಶವಾಗಿ ಮೂರುಲಿಂಗಗಳಲ್ಲಿ ಮಲ್ಲಿಕಾರ್ಜುನ ಲಿಂಗ ಮಾತ್ರ ಉಳಿದಿದ್ದಂತೆ ಕಾಣುತ್ತದೆ. ಅಥವಾ ಮೂರು ಲಿಂಗಗಳಲ್ಲಿ ಎರಡು ಕೆಳಗಡೆ ಒಂದು ಮುಂದುಗಡೆ ಇರುವ ವ್ಯವಸ್ಥೆಯೂ ಆದಾಗಿದ್ದು, ಯೋಗಲಿಂಗದ ಪರಿಕಲ್ಪನೆಯೂ ಅಲ್ಲಿಟ್ಟಿರಬೇಕು. ಸಿದ್ಧರಾಮ ತನ್ನ

ವಚನಗಳಲ್ಲಿ 'ತ್ವಲಿಂಗ'ದ ವಿಷಯವನ್ನು ಪ್ರಸ್ತಾಪ ಮಾಡಿರುವಲ್ಲಿ ತ್ರಿಕೂಟಾಚಲ ದೇಗುಲ ಅವನ ಕಾಲಕ್ಕೆ ನಿರ್ಮಿತವಾಗಿರಲೂಬಹುದು. ವಚನದಲ್ಲಿ 'ಅವ್ವ'ಯ ಪ್ರಸ್ತಾಪವೂ ಇದೆ. ಅಂತಾಗಿ ಸೊನ್ನಲಿಗೆ ನನ್ನಪ್ಪನ ರಾಣಿ ಚಾಮಲದೇವಿಯ ಕನಸಿನಲ್ಲಿ ಶಿವ, ಆಕೆಗೆ ಭೂಮಿಯಂ ಸಿದ್ಧರಾಮಗೆ ಕೊಡು' ಎಂದಿರುವುದೂ ವಚನದ ವಿಷಯ ಪೋಷಕಕ್ಕೆ ಕಾರಣವಾಗುವಂತಿದೆ. ಹೀಗಾಗಿ ಸಿದ್ಧರಾಮನ ಈ (ಆದಿಲಿಂಗದ) ತ್ರಿಕೂಟ ದೇಗುಲ, ತ್ರಿಲಿಂಗದೊಡನೆ, 'ಯೋಗಲಿಂಗ'ವಾಗಿ ಪ್ರಸಿದ್ಧಿ ಪಡೆದಿರುವಂತಿದೆ. ಅದರಂತೆ ತ್ರಿಲಿಂಗ ಸ್ಥಾನಸೂಚಿತ ಶಿಲ್ಪ, ತುಮಕೂರು ತಾಲ್ಲೂಕಿನ ಬಿಳುಗುಂದದ ಶ್ರೀ ಗುರು ಸಿದ್ಧರಾಮೇಶ್ವರರ ೭೫ನೇ ಮಹಾಗದ್ದುಗೆ ಕ್ಷೇತ್ರದಲ್ಲಿ, ಪವಿತ್ರ ಶ್ರೀ ರುದ್ರತೀರ್ಥ 'ಶ್ರೀತ್ವಲಿಂಗೇಶ್ವರ' ಲಿಂಗಗಳಿರುವುದೂ, ಪರಂಪರೆಯಿಂದ ಬಂದ ಭೌತಿಕ ಸಾಕ್ಷಿಯಾಗಿದೆ<sup>೧೪</sup>. (ಈ ಬಗ್ಗೆ ಮುಂದೆ ಹೆಚ್ಚಿನ ವಿವರಗಳು ಆ ಕ್ಷೇತ್ರ ಸಂಬಂಧಿಯಾಗಿ ನೀಡಿದೆ.)

ಹಂಪೆಯ ಉದ್ದಾನ ವೀರಭದ್ರನ ದೇಗುಲದ ಮುಂದಿನ ದೀಪಸ್ತಂಭದ ಮುಖದಲ್ಲಿ ಲಿಂಗದ ಮೇಲೆ ಲಿಂಗದ ಕೆತ್ತನೆ ಇದ್ದು, ಅದರ ಕೆಳಬದಿಗೆ, ಅರಳಿದ ಕಮಲದ ಉಬ್ಬುಶಿಲ್ಪವಿದೆ. 'ಯೋಗಲಿಂಗ'ದಲ್ಲಿ ಲಿಂಗಕ್ಕೆ ಲಿಂಗವೇ ಆಧಾರವಾಗಿರುವ ತಾತ್ವಿಕ ವಿವೇಚನೆ ಇದೆ; ಅನುಗುಣ ಪದ್ಧತಿಯೂ ಇದೆ. ಹೀಗಾಗಿ 'ಸಿದ್ಧರಾಮೇಶ್ವರ ಚರಿತ್ರ'ಯಲ್ಲಿ 'ಲಿಂಗದ ಮೇಲೆ ಲಿಂಗಮಂ ಪ್ರೇಮದಿಂದ ಪ್ರತಿಷ್ಠಿಸು; ಮೊದಲಿನ ಲಿಂಗವಿರಿಸಿ ಮೇಲಣ ಲಿಂಗವಂ ಸ್ಥಾಪಿಸುತೆ ಶ್ರೀ ಮಲ್ಲಿಕಾರ್ಜುನನೆಂಬುವ ನಾಮಂ; 'ಶ್ರೀಮತ್ಕಪಿಲಸಿದ್ಧ ಮಲ್ಲಿಕಾರ್ಜುನನೆಂಬ ಕಾಮಿತಾರ್ಥವ ನೀವ ಲಿಂಗ ಮೇಲಣ ಲಿಂಗ, ಮೊದಲಿನಾ ಮಲ್ಲಿಕಾರ್ಜುನ ಲಿಂಗವೆಂದು ಪೆಸರಾಂತು ಮೇಲಣ ಲಿಂಗವುಂ ತಾನು ಭಂದದಿಂದಂ ಕಪಿಲಸಿದ್ಧ ಮಲ್ಲೇಶನೆಂಬ ಅಭಿಧಾನಮೊಂದಿ ಜಗದಿ ದ್ವಂದ್ವನಾಮ'ಗಳಿಂದ ಮೆರೆಯುತ್ತದೆ ಎಂದಿರುವಲ್ಲಿ ಯೋಗಲಿಂಗದ ವಿನ್ಯಾಸ ತಿಳಿಯುತ್ತದೆ<sup>೧೫</sup>.

ಪಿರಿಯಾಪಟ್ಟಣಕ್ಕೆ ಸಮೀಪದ ಮೈಸೂರು ಜಿಲ್ಲೆ, ಬೆಟ್ಟದಪುರದಲ್ಲಿಯೂ ಬೆಟ್ಟದ ಮಲ್ಲಿಕಾರ್ಜುನ



ದೇಗುಲದಲ್ಲಿ 'ಯೋಗಲಿಂಗ-ಲಿಂಗದ ಮೇಲೆ ಲಿಂಗ' (ತನಗೆ ತಾನೇ ಆಧಾರವಾದ ಲಿಂಗದ) ಪರಿಕಲ್ಪನೆಯು ಶಿಲ್ಪರೂಪದಲ್ಲಿ ಕಂಡುಬರುತ್ತದೆ. ಅದು ಹಂಪೆಯ ಉದ್ದಾನ ವೀರಭದ್ರ ಗುಡಿ ಎದುರಿನ ದೀಪಸ್ತಂಭದ ಮೇಲಿನ 'ಯೋಗಲಿಂಗ' ಶಿಲ್ಪಕ್ಕಿಂತ ತುಸು ಭಿನ್ನರೂಪದಲ್ಲಿ ಕಾಣಿಸಿಕೊಂಡಿದೆ. ಒಂದೇ ಪಾಣಿವಟ್ಟಿ ಪೀಠದ ಮೇಲೆ ಒಂದರ ಹಿಂದೆ ಇನ್ನೊಂದು ಇರುವಂಥ ಲಿಂಗವಿನ್ಯಾಸವಲ್ಲಿದೆ. ಸಣ್ಣ ಲಿಂಗವು ಮೂರು ಮುಕ್ಕಾಲು ಅಂಗುಲ, ದೊಡ್ಡ ಲಿಂಗ ಏಳುವರೆ ಅಂಗುಲವಿದ್ದು ಬೆಟ್ಟದಪುರದ ಮಲ್ಲಿಕಾರ್ಜುನ ದೇಗುಲದಲ್ಲಿ ಕಂಡುಬರುತ್ತದೆ. ಇದು ಸಿದ್ಧರಾಮನ ಆರಾಧ್ಯದೈವದ, ಆರಾಧನೆಯು ಹರಡಿದ್ದ ವಿಸ್ತಾರ ತಿಳಿಸುವಂತಿದೆ ಎಂದು ಪ್ರಾಚಾರ್ಯ ಪುರಾತತ್ವವಿದ್ವಾಂಸ ಸಿ.ಟಿ.ಎಂ. ಕೊಟ್ಟಯ್ಯನವರು ಹೇಳುತ್ತಾರೆ (C.T.M. Kotraiah, Archaeology of Hampi-Vijayanagara, 2008, Bharatiya Kalaprakashan, New Delhi, p.86, (Ed. Dr. K.M. Suresh) ಅದೇ ತುಮಕೂರು

ಜೈನಬಸದಿಗಳನ್ನು ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕಾದ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ, ಯಕ್ಕೋಟಿ ಸಮಯದ ಶೈವಯತಿಗಳು ಸಹಕರಿಸಿದ ಸಲುವಾಗಿ, ರಕ್ಷಣೆಯ ಕಾರಣವಾಗಿ ಯಕ್ಕೋಟಿ ಜಿನಾಲಯಗಳಾಗಿರುತ್ತಿದ್ದವು. ಈ ಬಗ್ಗೆ ರೂಢಿ ಸಂಪ್ರದಾಯ ಶರಣವಾದ ದಿಗಂಬರ ಪಂಥವಷ್ಟೇ ಅಲ್ಲ ಯಾಪನೀಯ ಪಂಥದಲ್ಲಿಯೂ ಇತ್ತು. ಕ್ರಿ.ಶ.೧೧೮೧ರ ತೇರದಾಳ ಶಾಸನದಲ್ಲಿ ಗೊಂಕ ಜಿನಾಲಯದ ಆಚಾರ್ಯ ಪ್ರಭಾಚಂದ್ರ ಪಂಡಿತರಿಗೆ ಜೋಗವಟ್ಟಿಯನಿಕ್ಕಿ, ತ್ರಿಶೂಲದ ಘಂಟೆಯನ್ನು ಪಱಿಯನ್ನು ಇಟ್ಟು ಬಗ್ಗೆ ಹೇಳಿದೆ. ಕ್ರಿ.ಶ.೧೪೨೨ರ ಮೈಸೂರು ಜಿಲ್ಲೆ ಮಲೆಯೂರಿನ ಬಸದಿಯ ತಾಮ್ರಶಾಸನದಲ್ಲಿ '... ವೀರಣ್ಣ ವರ್ತನೆಗೆ ... ತ್ರಿಯಂಬಕ ಸನ್ನಿಧಿಯಲ್ಲಿ ಧಾರೆ ಎರೆದು ...

ಮುಕ್ಕೋಡೆಯ ಕಲ್ಲನ್ನು ನೆಟ್ಟು ದಾನ ಕೊಟ್ಟ ಬಗ್ಗೆ ಹೇಳಿದೆ. 'ವೀರಣ್ಣ ವರ್ತನೆ'ಯು ವೀರಗಾಸಿಗಳ ವಡಬುಗಳ ಉಗ್ಗಡಿಕೆಗೆ ಕೊಟ್ಟ ದಾನ. ಈ ಉದಾಹರಣೆಯ ಹಿನ್ನೆಲೆಯಲ್ಲಿ ಸೊನ್ನಲಿಗೆ ಕೋಟಿಯ ತ್ರೈಲಿಂಗ-ತ್ರಿಕೂಟ ದೇಗುಲದ, ಜೊತೆಗೆ ತ್ರಿಕೂಟ ಬಸದಿಯು ಕೋಟಿಯೊಳಗೆ ಇದ್ದಿದ್ದರೆ ಅದು ಯಕ್ಕೋಟಿ ಜಿನಾಲಯವಾಗಿ ಅನುಯಾಯಿಗಳಿಲ್ಲ ದಯೋ ಬಿಂಬಗಳ ವಲಸೆಗೊಂಡ ಕಾರಣವೋ ಅಳಿದುಹೋಗಿರಬೇಕು. ನಂತರ ಬೇರೆಯ ಶಿವಪವಿತ್ರ ನೆಲೆಯೊಂದು ನೆಲೆಗೊಂಡಿರಬೇಕು. ಕ್ರಿ.ಶ.೧೧೩೬ರಲ್ಲಿ ತ್ರಿಕೂಟ ಶಿವಾಲಯಕ್ಕೆ ಶಾಸನೋಕ್ತವಾಗಿ ದತ್ತಿ ಕೊಟ್ಟಿರಲು ಬಹುಶಃ ಆ ಮುನ್ನವೇ ಆ ದೇವಾಲಯವಿದ್ದಿದ್ದುದರ ಸೂಚನೆಯಾಗುತ್ತದೆ.

ಕೊಡಗು ಜಿಲ್ಲೆ ಸೋಮವಾರಪೇಟೆ ತಾಲ್ಲೂಕಿನ ಯಡೂರಿನಲ್ಲಿದ್ದ ಜಿನಾಲಯದ ಮೂರ್ತಿಗಳನ್ನು ಸಮೀಪದ ಕಲಕಂದೂರಿಗೆ ಒಯ್ದು, ಅಲ್ಲಿ ಜೈನರು ನೆಲೆಸಿ, ಜಿನಾಲಯದಲ್ಲಿ ಆರಾಧನೆ ನಡೆಯುತ್ತಿದೆ. ಯಡೂರಿನಲ್ಲಿ ಉಳಿದ ಕೆಲವು ಜೈನರು ಗೌಡಸಂಸ್ಕೃತಿಯರಾಗಿ ಸಪ್ತಮಾತೃಕೆ ಸಂಕೇತವಾದ ಸಬತಾಯಿ ಪೂಜೆಯನ್ನು ಸುಗ್ಗಿಟ್ಟಿ ಹಬ್ಬದಲ್ಲಿ ಮಾಡುವಲ್ಲಿ ತಮ್ಮ ಹಿಂದಿನ ಪದ್ಧತಿಯಾದ ಬಾಯಿಗೆ ಬಟ್ಟೆ ಕಟ್ಟಿಕೊಂಡು, ನೈವೇದ್ಯವನ್ನು ಅರ್ಪಿಸುತ್ತಾರೆ. ಹೀಗೆಯೇ ಅನ್ಯದೇವತಾರಾಧನೆಗೆ ಮತಾಂತರಗೊಂಡ ಜೈನರು, ಆರಾಧಿಸುವ ದೇಗುಲ, ಗದ್ದುಗೆ ಬಳಿ 'ಜೈನರ ಬ್ರಹ್ಮ'ನ ಸಂಕೇತ ಶಿಲೆಯಾದ 'ಭರಮಪಪ್ಪ'ನನ್ನು ಇಂದಿಗೂ ಇಟ್ಟು ಪೂಜಿಸುವ ಪೂರ್ವಸ್ಮರಣಾ ಪದ್ಧತಿ ಇದೆ, ಎಂಬುದು ಈ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಗಮನಾರ್ಹ. ಇವೆಲ್ಲ ಕಾಲಾಂತರದ ಬದಲಾವಣೆಗಳಾಗಿ ಸಹಜವೆನಿಸಿಬಿಟ್ಟಿದೆ. ಅದನ್ನು ಅವರಾರು ಅನ್ಯಥಾ ಭಾವಿಸಿಲ್ಲದಿರುವುದೂ ಗಮನಾರ್ಹ.

ಇನ್ನೂ ಸಿದ್ಧರಾಮನ ಧಾರ್ಮಿಕ ಅನುಸರಣೆಯ ನೆಲೆಗಳನ್ನು ಶಾಸನದ ಸಂಕೇತಗಳಿಗೆ ಹೋಲಿಸಿ ನೋಡಿದರೆ, ಅವನ ವಚನಗಳಲ್ಲಿ ಸಾಕ್ಷೀಕರಿಸಿ ಕೊಳ್ಳಬೇಕು:













ಡಾ. ಎಂ.ಎನ್. ಚನ್ನಬಸಪ್ಪ ಅವರಿಂದ ಸ್ವಾಗತ



ಕೆ.ಎಚ್. ಶಿವರುದ್ರಯ್ಯ ಅವರಿಂದ ಸಂಘದ ವಾರ್ಷಿಕ ವರದಿ ಮಂಡನೆ



ಶ್ರೀ ಕೆ.ಬಿ. ಶಿವಶಂಕರಯ್ಯ ಅವರಿಂದ ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಮಾಸಪತ್ರಿಕೆ ವಾರ್ಷಿಕ ವರದಿ ಮಂಡನೆ

ಡಿಸೆಂಬರ್ ೨೨ ರಂದು ಶ್ರೀ ಗೋಸಲ ಸಿದ್ಧೇಶ್ವರ ವೇದಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಲಿಂಗ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರ ದಿವ್ಯಸಾನ್ನಿಧ್ಯದಲ್ಲಿ ಆಯೋಜಿಸಲಾಗಿದ್ದ ಸಂಘದ ಸರ್ವಸದಸ್ಯರ ಓಗಿನೇ ಮಹಾಧಿವೇಶನ ಹಾಗೂ 'ಸಿದ್ಧಗಂಗಾಶ್ರೀ', 'ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಶಿವಕುಮಾರಶ್ರೀ',

'ಕಾಯಕಯೋಗಿ' ಹಾಗೂ 'ಸಂಘಸಿರಿ' ಪ್ರಶಸ್ತಿ ಪ್ರದಾನ ಸಮಾರಂಭ ಅಭೂತಪೂರ್ವವಾಗಿ ನಡೆಯಿತು.

ಸಮಾರಂಭ ಶ್ರೀ ಎನ್. ಜ್ಞಾನಮೂರ್ತಿ ಅವರ ಪ್ರಾರ್ಥನೆಯೊಂದಿಗೆ ಆರಂಭವಾಯಿತು. ಸಂಘದ ಪ್ರಧಾನ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿಗಳಾದ ಡಾ. ಎಂ.ಎನ್. ಚನ್ನಬಸಪ್ಪನವರು ಎಲ್ಲರನ್ನು ಸ್ವಾಗತಿಸಿ, ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಮಠದ ನೆರಳಿನಲ್ಲಿ ನಾವೆಲ್ಲಾ ಬೆಳೆದು ಬಂದಿದ್ದೇವೆ. ನಮ್ಮನ್ನೆಲ್ಲ ಕೈಹಿಡಿದು ಕಾಪಾಡಿದ್ದಾರೆ. ನಡೆಸಿದ್ದಾರೆ ಎಂದು ಭಕ್ತಿಯಿಂದ, ಕೃತಜ್ಞತೆಯಿಂದ ಸ್ಮರಿಸಿಕೊಂಡರು.

ಕಾರ್ಯಕ್ರಮವನ್ನು ಹರಗುರು ಚರಮೂರ್ತಿಗಳು ಹಾಗೂ ಪ್ರಶಸ್ತಿ ಪುರಸ್ಕೃತರ ಉಪಸ್ಥಿತಿಯಲ್ಲಿ ಜ್ಯೋತಿ ಬೆಳಗಿಸಿ ಉದ್ಘಾಟಿಸಿದ. ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಗಂಗಾ ಕ್ಷೇತ್ರಾಧ್ಯಕ್ಷರಾದ ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಲಿಂಗ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರು ಆಶೀರ್ವಚನ ದಯಪಾಲಿಸುತ್ತಾ ಪರಮಪೂಜ್ಯರನ್ನು ನೆನೆದು ಕ್ಷಣಕಾಲ ಭಾವುಕರಾದರು.

“ಪರಮಪೂಜ್ಯರ ಆಶೀರ್ವಾದದಿಂದ ಪ್ರಾರಂಭವಾದ ಹಳೆಯ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳ ಹಾಗೂ ಹಿತೈಷಿಗಳ ಸಂಘ ಶ್ರೀಮಠದ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಕಾರ್ಯದಲ್ಲಿ ಉತ್ತಮ ಸೇವೆಯನ್ನು ಮಾಡುತ್ತಾ ಬರುತ್ತಿರುವುದಕ್ಕಾಗಿ ಸಂಘದ ಪ್ರಧಾನ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿಗಳಾದ ಡಾ. ಎಂ.ಎನ್. ಚನ್ನಬಸಪ್ಪ ಹಾಗೂ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿಗಳಾದ ಶ್ರೀ ಕೆ.ಎಚ್. ಶಿವರುದ್ರಯ್ಯ ನವರ ಪ್ರಾಮಾಣಿಕ ಸೇವೆಯನ್ನು ಪ್ರಶಂಸಿಸಿದರು. ಹಳೆಯ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿ ಹಾಗೂ ಹಿತೈಷಿಗಳ ಸಂಘ ಯಾವಾಗಲೂ ಮಠದ ಸೇವೆಗಾಗಿ ಇರುವಂತಹದು. ಪರಮಪೂಜ್ಯರು ಕೊಟ್ಟು ಹೋದ ಶಕ್ತಿ ಹಳೆಯ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿ ಸಂಘ ಎಂದು ಹೇಳಿದರು.

ಪರಮಪೂಜ್ಯರು ಎರಡು ಸಂದರ್ಭಗಳಲ್ಲಿ ಸಂತೋಷಪಡುತ್ತಿದ್ದರು. ಪ್ರಸಕ್ತ ಮಠದಲ್ಲಿರುವ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳ ಹಾಗೂ ವರ್ಷಕ್ಕೊಮ್ಮೆ ಸಮಾವೇಶಗೊಳ್ಳುವ ಹಳೆಯ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳನ್ನು ನೋಡಿದಾಗ ಸಂತೋಷಪಡುತ್ತಿದ್ದರು. ನಿಮ್ಮೆಲ್ಲರ ಸಹಕಾರದಿಂದ ಮಠ ಎತ್ತರಕ್ಕೆ ಬೆಳೆಯಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗಿದೆ. ನೀವೆಲ್ಲ ಪೂಜ್ಯರ ಸಂದೇಶವನ್ನು ತಲೆಯ ಮೇಲೆ ಹೊತ್ತು ಸೇವೆ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದೀರಿ. ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀಗಳವರು ತಮ್ಮ ಇಡೀ ಜೀವನವನ್ನು ಸೇವೆಗಾಗಿ ಮುಡಿಪಾಗಿಟ್ಟಿದ್ದರಿಂದ



ಪ್ರೊ. ಟಿ.ಆರ್. ಮಹಾದೇವಯ್ಯ ಅವರಿಗೆ 'ಸಿದ್ಧಗಂಗಾಶ್ರೀ' ಮರಣೋತ್ತರ ಪ್ರಶಸ್ತಿ. ಪ್ರಶಸ್ತಿಯನ್ನು ಅವರ ಧರ್ಮಪತ್ನಿ ಶ್ರೀಮತಿ ಬಿ. ರಾಜಮ್ಮ ಅವರು ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಲಿಂಗ ಮಹಾಸ್ವಾಮಿಗಳವರಿಂದ ಸ್ವೀಕರಿಸುತ್ತಿರುವುದು.

ಪ್ರಖ್ಯಾತರಾಗಿದ್ದರು. ವೈಯುಕ್ತಿಕವಾದ ತಪಸ್ಸು, ಸಾಧನೆ, ಸಮಾಜಸೇವೆಯಿಂದ ಅವರು ವಿಶ್ವಜ್ಯೋತಿಯಾದರು, ವಿಶ್ವರತ್ನವಾದರು.

ನಮ್ಮ ಜನ್ಮಕ್ಕೆ ತಂದೆ ತಾಯಿಗಳು ಕಾರಣವಾದರೆ, ಸ್ವಾಭಿಮಾನದಿಂದ ತಲೆ ಎತ್ತಿ ನಿಲ್ಲುವಂತಾದುದು ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಶಿವಕುಮಾರ ಸ್ವಾಮಿಗಳವರಿಂದ. ಈ ಹಿಂದೆ ನೀವೆಲ್ಲ ಓದುತ್ತಿದ್ದ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಮಠದ ಆರ್ಥಿಕ ಸ್ಥಿತಿ ಚೆನ್ನಾಗಿರಲಿಲ್ಲ. ಅನ್ನದಲ್ಲಿ ಕಲ್ಪಿತ್ತು, ಸಾರಿನಲ್ಲಿ ನೀರಿತ್ತು. ಅಂತಹ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಬೆಳೆದು ಬಂದ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು ನೀವು ಎಂದು ಹೇಳಿದರು.

ಪರಮಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀಗಳವರು ಮಠವನ್ನು ಮುನ್ನಡೆಸಲು ದಿನಕ್ಕೆ ೨೦ ಗಂಟೆಗಳ ಕಾಲ ಶ್ರಮಪಡುತ್ತಿದ್ದರು. ಅವರು ತಿಳಿಸಿಕೊಟ್ಟ ಕಾಯಕದ ಮಹತ್ವವನ್ನು ಜೀವನದಲ್ಲಿ ಅಳವಡಿಸಿಕೊಂಡಿದ್ದರಿಂದ ಚಲಾವಣೆ ನಾಣ್ಯವಾಗಿ ಎಲ್ಲಿಯೂ ಸಲ್ಲುವಂತೆ ಇದ್ದೀರಿ, ಶ್ರೀಮಠದ ರಾಯಭಾರಿಗಳಾಗಿದ್ದೀರಿ ಎಂದು ತಿಳಿಸಿದರು. ಪೂಜ್ಯ ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧಲಿಂಗ ಸ್ವಾಮಿಗಳವರು ಭಾವುಕರಾಗಿ ನಮ್ಮ ಮುಂದೆ ಪೂಜ್ಯ ಗುರುಗಳು ಇಲ್ಲದೆ ಹೋದರೂ ಅವರು ಎಲ್ಲರ ಮನಸ್ಸಿನಲ್ಲಿಯೂ ಇದ್ದಾರೆ” ಎಂದು ತಿಳಿಸಿದರು.



ಶ್ರೀ ಎಸ್. ಮಲ್ಲಣ್ಣ ದಂಪತಿಗಳು

ಶ್ರೀಮತಿ ಎಂ. ಮಧುರ ಆಶೀರ್ವಚನಾರ್

ಡಾ. ಹೆಚ್. ಹನುಮಂತರಾಯ



[illegible]

පුරුෂයෙකුගේ ස්ත්‍රී ස්වභාවයට පත්වීම සහ  
 ස්ත්‍රී ස්වභාවයට පත්වීම සහ පුරුෂයෙකුගේ

ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿಗಳ ಕಛೇರಿ, ಮೈಸೂರು

[illegible][illegible]

ထည့်သွင်းရန်နှင့် ပြန်လည်ထုတ်ပြန်ရန်

[illegible]

မဟာဗျူဟ မဂ္ဂဇာနည် မဟာဗျူဟ



ಆ. ಲಕ್ಷ್ಮೀನಾರಾಯಣ



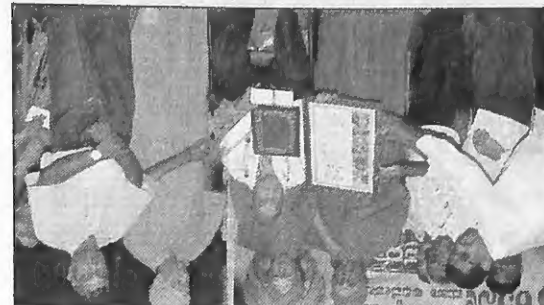
ಶ್ರೀ ಕೆ. ಬಸವಯ್ಯ ದಂಪತಿಗಳು



ಶ್ರೀ ಹೆಚ್. ಗಂಗಪ್ಪ ದಂಡವಿಗಲು



பி.வ.ப. இல. 10



နမူနာပေး ပုံစံအရ ခန့် ခန့် ပြုလုပ်



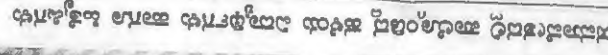
महाराष्ट्र

[illegible]



# കേരള കലാലയം

ပျော်ရည် စုစုပေါင်း

[illegible]









# ಸಿಧ್ಧಗಂಗಾ ಆಸ್ಪತ್ರೆ ಮತ್ತು ಸಂಶೋಧನಾ ಕೇಂದ್ರ

ಡಾ. ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಶಿವಕುಮಾರ ಸ್ವಾಮೀಜಿ ರಸ್ತೆ, (ಬಿ.ಹೆಚ್. ರಸ್ತೆ), ತುಮಕೂರು

Ph: 0816-6602222 | Emergency No. : 6602288 | 6602299

E: info@siddagangahospital.com

## ಸೂಪರ್ ಸ್ಪೆಷಾಲಿಟಿ ಸೌಲಭ್ಯಗಳು

- ನ್ಯೂರಾಲಜಿ ಮತ್ತು ನ್ಯೂರೋಸರ್ಜರಿ
- ಕಾರ್ಡಿಯಾಲಜಿ ಮತ್ತು ಸಿ.ಟಿ.ವಿ.ಎಸ್
- ಮೆಡಿಕಲ್ ಮತ್ತು ಸರ್ಜಿಕಲ್ ಗ್ಯಾಸ್ತ್ರೋಎಂಟರಾಲಜಿ
- ಮೆಡಿಕಲ್ ಮತ್ತು ಸರ್ಜಿಕಲ್ ಆಂಕೊಲಜಿ
- ನೆಫ್ರಾಲಜಿ ಮತ್ತು ಯುರಾಲಜಿ
- ಡಯಬಿಟಾಲಜಿ ಮತ್ತು ಎಂಡೋಕ್ರೈನಾಲಜಿ
- ಪಲ್ಮನಾಲಜಿ • ರುಮಟಾಲಜಿ
- ಪ್ಲಾಸ್ಟಿಕ್ ರಿಕನ್‌ಸ್ಟ್ರಕ್ಷನ್ ಮತ್ತು ಕಾಸ್ಟಿಕ್ ಸರ್ಜರಿ
- ಚಿರಿಯಾಟ್ರಿಕ್ ಮೆಡಿಸಿನ್

## ವೈದ್ಯಕೀಯ ಸೌಲಭ್ಯಗಳು



## ತುರ್ತು ಚಿಕಿತ್ಸಾ ಸೇವೆಗಳು

- ಅಪಘಾತ, ತುರ್ತು ಚಿಕಿತ್ಸೆ ಮತ್ತು ಕ್ಲಿಟಿಕಲ್ ಕೇರ್
- ಎಮ್.ಐ.ಸಿ.ಯು., ಐ.ಸಿ.ಸಿ.ಯು., ನ್ಯೂರೋ ಐ.ಸಿ.ಯು., ಎಸ್.ಐ.ಸಿ.ಯು., ಎನ್.ಐ.ಸಿ.ಯು., ಪಿ.ಐ.ಸಿ.ಯು.
- ಕ್ಯಾನ್ಸರ್ ಲ್ಯಾಬ್ ಸೇವೆಗಳು
- ಡಯಾಲಿಸಿಸ್ ಸೇವೆಗಳು
- ಡಯಾಗ್ನೋಸ್ಟಿಕ್ ಸೇವೆಗಳು
- ಇಂಟರ್‌ವೆನ್ಷನಲ್ ರೇಡಿಯಾಲಜಿ
- ಸಿ ಟಿ ಸ್ಕ್ಯಾನ್ - 16 ಸ್ಲೈಸ್
- ರಕ್ತ ನಿಧಿ ಮತ್ತು ಕಾಂಪೂನೆಂಟ್ಸ್
- ಆಂಬುಲೆನ್ಸ್ ಸೇವೆಗಳು • ಔಷಧಾಲಯ

## ಇತರೆ ಸೌಲಭ್ಯಗಳು

- ಇಂಟೆನ್ಸಿವ್ ಮೆಡಿಸಿನ್
- ಮನೋವೈದ್ಯಕೀಯ ಸೇವೆಗಳು
- ಜನರಲ್ ಮತ್ತು ಲ್ಯಾಪರೋಸ್ಕೋಪಿಕ್ ಸರ್ಜರಿ
- ಬೆರಿಯಾಟ್ರಿಕ್ ಮತ್ತು ಮೆಟಾಬಾಲಿಕ್ ಸರ್ಜರಿ
- ಆರ್ಥೋಪೆಡೆಕ್ ಮತ್ತು ತುರ್ತು ಅಪಘಾತ ಚಿಕಿತ್ಸೆ
- ಎಂಡೋಸ್ಕೋಪಿ, ಕೊಲೊನೋಸ್ಕೋಪಿ ಮತ್ತು ಇ.ಆರ್.ಸಿ.ಸಿ
- ನಿಯೋನೇಟಾಲಜಿ, ಪೀಡಿಯಾಟ್ರಿಕ್ಸ್ ಮತ್ತು ಪೀಡಿಯಾಟ್ರಿಕ್ ಸರ್ಜರಿ
- ಪ್ರಸೂತಿ ಮತ್ತು ಸ್ಟ್ರೀ ರೋಗ ಚಿಕಿತ್ಸೆ
- ಫೀಟಲ್ ಮೆಡಿಸಿನ್ • ಐ.ವಿ.ಎಫ್ ಕೇಂದ್ರ • ಇ.ಎನ್.ಟಿ.
- ನೇತ್ರ ಚಿಕಿತ್ಸೆ • ಡರ್ಮಟಾಲಜಿ
- ದಂತ ಚಿಕಿತ್ಸೆ ಮತ್ತು ಮ್ಯಾಕ್ಸಿಲೋಫೇಶಿಯಲ್ ಸರ್ಜರಿ
- ಮಿನಿಮಲ್ ಇನ್‌ವೇಸಿವ್ ಸರ್ಜರಿ ಮತ್ತು ಫಂಡೋಪ್ಲಿಕ್ಸೇಷನ್

To

If undelivered please return to :  
Editor  
Siddaganga Monthly Magazine  
Siddaganga Math  
Tumkur-572 104